दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik
asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005
www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 228 ■ दमण, शनिवार 30, मई 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

नई दिल्ली में प्रशासक प्रफुल पटेल ने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा से की मुलाकात

■ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा से केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव और केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप से जुडे विकास एवं अन्य मुद्दों पर प्रशासक प्रफुल पटेल ने की चर्चा-विचारणा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 29 मई। नई दिल्ली में आज प्रशासक प्रफुल पटेल ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय मंत्री जे. पी. नड्डा से मुलाकात की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय मंत्री जे. पी. नड्डा से प्रशासक प्रफुल पटेल ने केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव और केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप के विकास एवं अन्य मुद्दों पर विस्तृत चर्चा-विचारणा की। इससे पहले प्रशासक प्रफुल पटेल ने दोनों केंद्रशासित प्रदेशों की जनता की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा को फुलों का गुलदस्ता भेंटकर अभिवादन किया था। गौरतलब है कि केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव और केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप के विभिन्न महत्वकांक्षी प्रोजेक्टों और योजनाओं के लिए केंद्र सरकार की हमेशा हरी झंडी मिल जाती है। यह इसलिए संभव होता है क्योंकि प्रशासक प्रफुल पटेल के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, शिक्षा मंत्री, सडक एवं परिवहन मंत्री, उर्जा मंत्री सहित सभी केंद्रीय मंत्रियों के साथ अच्छे रिश्ते है। यहीं अच्छे रिश्तों का फायदा दोनों केंद्रशासित प्रदेशों की जनता को मिल रहा है।

एशिया की सबसे पुरानी दमण म्युनिसिपल काउंसिल की 9 साल तक प्रेसिडेंटशिप संभालने वाले भाजपा नेता विशाल टंडेल का जन्मदिन आज

■ 1996 में सक्रिय राजनीति में कदम रखने वाले माछीमार समाज के युवा विशाल टंडेल ने लगातार 3 दशक से दमण-दीव की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है ■ 2001 से 2010 तक दमण म्युनिसिपल काउंसिल के प्रेसिडेंट रहते हुए विशाल टंडेल ने शहर की गली-गली में सडक सहित अनेक विकास कार्यों को धरातल पर उतारकर शहर की जनता को सुविधाएं उपलब्ध कराई थी ■ 2015 में पीएम मोदी के राष्ट्रवाद और विकास की राजनीति से प्रभावित होकर विशाल टंडेल ने दमण-दीव प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद छोडकर भाजपा में प्रवेश किया था

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 मई। एशिया की सबसे पुरानी दमण म्युनिसिपल काउंसिल की 9 साल तक प्रेसिडेंटशिप संभालने वाले भाजपा नेता विशाल टंडेल का आज जन्मदिन है। 2001 से 2010 तक डीएमसी प्रेसिडेंट पद पर रहते हुए विशाल टंडेल ने दमण शहर के सभी 15 वॉर्डों का सडक सहित की सुविधाओं के साथ संतुलित विकास किया था। 2015 में पीएम मोदी के राष्ट्रवाद और विकास की राजनीति से प्रभावित होकर विशाल टंडेल ने दमण-दीव प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद छोडकर भाजपा में प्रवेश किया था। पिछले 10 सालों से विशाल टंडेल भारतीय जनता पार्टी के सैनिक के रूप में काम कर रहे है। गौरतलब है कि 1996 में सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने वाले माछीमार समाज के युवा विशाल टंडेल ने लगातार 3 दशक से दमण-दीव की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आये है। आज उनके जन्मदिन पर उनके समर्थक, शुभेच्छक और नगरजन उन्हें जन्मदिन की बधाईयां देंगे।

दादरा और नरोली पंचायतों में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम विभाग ने चॉल मालिकों को दिया प्रशिक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 29 मई। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम विभाग दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव ने आज जिला पंचायत दादरा नगर हवेली के सहयोग से दादरा और नरोली पंचायतों में चॉल मालिकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम विभाग के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गणेश वर्णेकर ने मलेरिया और डेंगू की रोकथाम के पहलुओं, लार्वा सर्वेक्षण, बुखार के मामलों के सर्वेक्षण और एकीकृत वेक्टर नियंत्रण रणनीतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने चॉल मालिकों से सहयोग करने और समय पर कार्रवाई करने का आग्रह किया। जिला पंचायत दादरा नगर हवेली के राकेश ने सहयोग न करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और जुर्माने के बारे में चर्चा की। दादरा पंचायत कार्यक्रम में दादरा और डेमनी दोनों पंचायतों को शामिल किया गया था। इस कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दादरा के डॉ. मनीष राजभर, भारती हलपति, सुमित्रा पटेल, कमलेशभाई और अन्य पंचायत सदस्य उपस्थित थे। नरोली पंचायत कार्यक्रम में नरोली और खरड़पाड़ा पंचायतों को शामिल किया गया था। इस कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नरोली के डॉ. वीरेंद्र सोलंकी, सुनीता पटेल और अन्य पंचायत सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में मगनभाई, कीर्तिभाई, दक्षाबेन और अन्य लोगों ने भाग लिया।

પ્રથમ પુણ્યતિથિએ શ્રદ્ધાંજલિ

સ્વ. મહેશકુમાર નટવરભાઈ દેસાઈ
જન્મ તા.: ૧૬/૦૫/૧૯૫૧ સ્વ. તા. ૩૦/૦૫/૨૦૨૫ (જેઠ સુદ ચોથ)

નથી હયાત તમે પણ સાથે હોય એવું લાગ્યા કરે છે. હર પલ હાજરીનો આભાસ લાગ્યા કરે છે. ક્યારેક કહેવાયેલ વાતોના ભણકારા વાગ્યા કરે છે. યાદોમાં તમારા પ્રત્યક્ષ દર્શન થયા કરે છે. પ્રભુ આપના દિવ્ય આત્માને શાંતિ અર્પે એજ પ્રાર્થના.

ૐ શાંતિ...

લિ.
મહાશ્વેતાબેન મહેશકુમાર દેસાઈ (પત્ની)
રંજનબેન પ્રદિપભાઈ પટેલ (બહેન) પૈલુપાબેન વિજય પટેલ (બહેન)
મિતુલ મહેશકુમાર દેસાઇ (પુત્ર)
રીનલ સુભાષ ટંડેલ (પુત્રી) સુભાષ મોહન ટંડેલ (જમાઇ)
મીનલ ભાવેશ વડગામા (પુત્રી) ભાવેશ નાથાલાલ વડગામા (જમાઇ)

अतुल लिमिटेड कॉम्प्लेक्स वलसाड में व्यवहार आधारित सुरक्षा पर राज्य स्तरीय सेमिनार का हुआ आयोजन

वलसाड। बी सेफ गुजरात टीम द्वारा अतुल कॉम्प्लेक्स, अतुल, वलसाड स्थित 'द कोर्टयार्ड' में BBS – व्यवहार-आधारित सुरक्षा कार्यक्रम पर एक राज्य-स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का मुख्य विषय BBS संस्कृति की गुणवत्ता में सुधार था। BBS को वैश्विक स्तर पर एक ऐसे सिद्ध उपकरण के रूप में स्वीकार किया गया है, जो किसी भी संगठन की सुरक्षा संस्कृति को 'प्रतिक्रियाशील और निर्भर' व्यवहार से बदलकर एक 'परस्पर-निर्भर' सुरक्षा संस्कृति में तब्दील करने में सक्षम है। इसे देश भर के कई अग्रणी उद्योगों में सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। आज के इस कार्यक्रम का आयोजन BeSafe गुजरात टीम द्वारा डॉ. हरबंस लाल कैला के नेतृत्व में किया गया। डॉ. कैला एक अग्रणी संगठनात्मक मनोवैज्ञानिक हैं, जिन्हें भारत में 'व्यवहार-आधारित सुरक्षा का जनक माना जाता है। 40 वर्षों से अधिक के अकादमिक और व्यावहारिक अनुभव के धनी डॉ. कैला, 'फोरम ऑफ बिहेवियरल सेफ्टी' के संस्थापक निदेशक होने के साथ-साथ 'राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद' से जुड़े एक प्रमुख विशेषज्ञ भी हैं। सेमिनार के दौरान अपने मुख्य संबोधन में अतुल लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक और अधिभोगी विवेक गाडरे ने विनिर्माण उद्योगों में सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अतुल लिमिटेड में प्रभावी ढंग से अपनाई जा रही 'व्यवहार-आधारित सुरक्षा' संस्कृति से प्राप्त होने वाले लाभों को भी रेखांकित किया। इस सेमिनार में विभिन्न उद्योगों से लगभग 75 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें अतुल लिमिटेड, आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड, थर्मैक्स लिमिटेड और अपार इंडस्ट्रीज लिमिटेड की टीमों के साथ-साथ विभिन्न उद्योग संघों और फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन सिलवासा के प्रतिनिधि भी शामिल थे। इन अग्रणी उद्योगों के प्रतिनिधियों ने BBS को लागू करने के दौरान सामने आई चुनौतियों, अपनी BBS यात्रा के अनुभवों और 'BeSafe संस्कृति' के माध्यम से प्राप्त परिणामों को आपस में साझा किया। सत्र की शुरुआत BBS गुजरात चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. सुनील आचार्य के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद डॉ. एच. एल. कैला ने अपना उद्घाटन भाषण दिया, जिसमें उन्होंने BBS की कार्यप्रणालियों और उनसे होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सेमिनार के दौरान उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में एम. सी. गोहिल (उप निदेशक, DISH, वलसाड), BeSafe के निदेशक डॉ. एच. एल. कैला, पवन राव, डॉ. अनिल जैन, शिवा रामकृष्णराव, डॉ. यज्ञेश नाइक, साथ ही BeSafe के सलाहकार और परेश गज्जर (आयोजन सचिव, फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, सिलवासा) शामिल थे। समापन सत्र का संचालन डॉ. एच. एल. कैला ने किया, जिन्होंने BeSafe संस्कृति और सुरक्षा उत्कृष्टता पर आधारित इस पूरे दिन चले सेमिनार के मुख्य निष्कर्षों और सीखने के परिणामों पर प्रकाश डाला। पूरे कार्यक्रम की सफलतापूर्वक योजना बनाई गई और उसे BESAFE के गुजरात चैप्टर के चेयरमैन डॉ. सुनील आचार्य द्वारा क्रियान्वित किया गया। साथ ही डॉ. यज्ञेश नाइक के सहयोग से सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी की गईं। इस कार्यक्रम का आयोजन अतुल लिमिटेड के सेफ्टी और L&D विभाग के साथ-साथ हृदय देसाई (वाइस प्रेसिडेंट- EHS एश्योरेंस) और सरवनन (वाइस प्रेसिडेंट - मैन्युफैक्चरिंग) के सहयोग से किया गया। सभी प्रतिभागियों, निदेशकों और सलाहकारों ने व्यवहार-आधारित सुरक्षा (Behaviour Based Safety) और BeSafe संस्कृति पर आधारित इस ज्ञानवर्धक और अत्यंत समृद्ध सीखने के सत्र की मेजबानी और समन्वय के लिए अतुल लिमिटेड के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

पेट्रोल पंप पर अब ग्राहक चुन सकेंगे अपना इथेनॉल ब्लेंड्स

सरकारी व निजी तेल कंपनियों को इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के निर्देश

नई दिल्ली । भारत सरकार ने देश के पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को एक बड़ी सुविधा देने का ऐलान किया है। अब वाहन मालिक अपनी गाड़ी के इंजन की क्षमता और अनुकूलता के हिसाब से ई20, ई22, ई25 और ई30 जैसे अलग-अलग इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल विकल्पों में से अपनी पसंद का ईंधन चुन सकेंगे। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) जैसी सरकारी तेल कंपनियों के साथ-साथ निजी रिटेलर्स जैसे जियो-बीपी, नायरा और शेल को भी आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इसके तहत देश भर के पेट्रोल पंपों पर विभिन्न इथेनॉल ब्लेंड्स के लिए अलग-अलग नोजल और डिस्प्ले की व्यवस्था की जाएगी।कंपनियों को नई डिस्पेंसिंग यूनिट्स, स्टोरेज सिस्टम, ब्लेंडिंग कंट्रोल और ईंधन की गुणवत्ता की निगरानी करने वाले तंत्र में निवेश करना होगा। ग्राहकों की सुविधा के लिए पंपों पर इथेनॉल मिश्रणों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा और इथेनॉल की मात्रा के आधार पर कीमतें भी अलग-अलग होंगी।

एलआईसी शेयरों में गिरावट नहीं, दोगुनी हुई निवेशकों की हिस्सेदारी

ऐतिहासिक 1-1 बोनस शेयर के साथ 10 प्रति शेयर डिविडेंड घोषित

मुंबई ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शेयरों में शुक्रवार को आई लगभग 50 फीसदी की गिरावट ने निवेशकों को भले ही चौंकाया हो, लेकिन यह चिंता का विषय नहीं है। दरअसल, कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार 1-1 बोनस शेयर जारी किए हैं, जिसके चलते यह प्राइस एडजस्टमेंट देखने को मिला। शेयर 823 रुपए के स्तर से टूटकर 416 रुपए पर आ गया, जो रिकॉर्ड डेट पर बोनस शेयरों के लिए किया गया सामान्य समायोजन है। इसका अर्थ है कि निवेशकों के पास मौजूद हर एक शेयर के बदले उन्हें एक अतिरिक्त शेयर मुफ्त में मिला है, जिससे उनकी कुल शेयरहोल्डिंग दोगुनी हो गई है। यह ऐतिहासिक फैसला कंपनी के मजबूत वित्तीय नतीजों के बाद लिया गया, जहां मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 23 फीसदी बढ़कर 23,420 करोड़ रुपए रहा। बोनस के साथ एलआईसी ने शेयरधारकों के लिए 10 रुपए प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड की भी घोषणा की है। जानकारों का मानना है कि शेयरों की संख्या बढ़ने से बाजार में इसकी लिक्विडिटी बढ़ेगी, जिससे छोटे

निवेशकों के लिए इसमें निवेश करना और भी सुलभ हो जाएगा। एडजस्टमेंट के बाद, शेयर मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है, और कंपनी का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 2.65 लाख करोड़ रुपए है।

पीसी ज्वैलर का शानदार कमबैक- 90 प्रतिशत से अधिक कर्ज चुकाया, शेयर बना रॉकेट

मुंबई ।

ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर के शेयर सोमवार को 11 प्रतिशत से अधिक की तूफानी तेजी के साथ 10.48 रुपये पर पहुंचे। इस उछाल का मुख्य कारण कंपनी द्वारा 90 प्रतिशत से अधिक बकाया कर्ज का भुगतान और जल्द ही पूरी तरह से कर्ज मुक्त होने का ऐलान है।

कंपनी अब पूर्णतः कर्ज मुक्त होकर बाजार में अपनी आक्रामक विस्तार की योजना बना रही है, इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बलराम गर्ग ने बताया कि बैंकों के साथ सेटलमेंट एग्रीमेंट के बाद से कंपनी ने अपने बकाया कर्ज का 90 प्रतिशत से अधिक सफलतापूर्वक चुकाया है। उन्होंने भरोसा जताया कि कंपनी बहुत जल्द कर्ज-मुक्त होगी, जिसके बाद वह अपने वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाएगी। मैनेजिंग डायरेक्टर गर्ग ने वित्त वर्ष 2026 को कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष बताया, जहां इसने अपनी गति वापस हासिल की और पूरे साल शानदार प्रदर्शन दर्ज किया। वित्तीय प्रदर्शन के मुताबिक 31 मार्च 2026 को समाप्त हुई तिमाही में पीसी ज्वैलर का मुनाफा सालाना आधार पर 61.3 प्रतिशत

बढ़कर 152.9 करोड़ रुपये रहा, जो बीते साल की समान अवधि में 94.8 करोड़ रुपये था। कंपनी का राजस्व भी 32.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 927.3 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 699 करोड़ रुपये था। इस तिमाही में कंपनी का इबिट्डा 13.4 प्रतिशत बढ़कर 164.5 करोड़ रुपये रहा, जिसमें इबिट्डा मार्जिन 17.7 प्रतिशत दर्ज किया गया।

कंपनी ने अपने शेयरधारकों को पहले भी लाभ पहुंचाया है। जुलाई 2017 में 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए गए थे, और दिसंबर 2024 में 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर को 1-1 रुपये के 10 शेयरों में विभाजित (स्टॉक स्प्लिट) किया गया था। पिछले छह सालों में पीसी ज्वैलर के शेयरों में 800 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है, जबकि पिछले पांच दिनों में इसमें 19 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है, जो कंपनी की मजबूत वापसी और निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

अशोक लीलैंड का रिकॉर्ड प्रदर्शन, मुनाफा 1,400 करोड़ के पार

वाणिज्यिक वाहन निर्माता ने 2026 की चौथी तिमाही में अब तक का सर्वाधिक मुनाफा कमाया

नई दिल्ली ।

भारतीय वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अशोक लीलैंड ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 1,405 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज कर शानदार प्रदर्शन किया है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 13 फीसदी अधिक है। कंपनी ने तिमाही और पूरे वित्त वर्ष दोनों के लिए रिकॉर्ड राजस्व, एबिटा और वाहन बिक्री के साथ अपनी अब तक की सबसे बेहतरीन वित्तीय स्थिति पेश की है। अशोक लीलैंड का परिचालन राजस्व समीक्षाधीन तिमाही में 19 फीसदी बढ़कर 14,160.49 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एबिटा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,066 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार के जीएसटी 2.0 प्रोत्साहन और वाहनों की प्रतिस्थापन मांग ने इस जोरदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 800-1,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना भी पेश की है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, अशोक लीलैंड का शुद्ध लाभ 8 फीसदी बढ़कर 3,566 करोड़ रुपये रहा, जो नई श्रम संहिता के कारण 308 करोड़ रुपये के एकमुश्त बोझ के बावजूद हासिल हुआ। इस दौरान कुल राजस्व रिकॉर्ड 44,007 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, और एबिटा 13 फीसदी बढ़कर 5,732 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने 5,899 करोड़ रुपये की शुद्ध नकदी के साथ वर्ष का समापन किया। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 13 फीसदी बढ़कर 2,20,437 इकाइयों के नए सर्वाधिक स्तर पर पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2019 के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ती है। निदेशक मंडल ने 1 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 2.50 रुपये के दूसरे अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। इस बीच हवाई अड्डा संचालक जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड (जीएएल) ने भी शानदार वित्तीय परिणाम पेश किए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी घाटे से उबरकर 400.49 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ में आ गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसे 252.66 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

दिल्ली, हैदराबाद सहित कई शहरों में हवाई अड्डों का संचालन करने वाली जीएमआर एयरपोर्ट्स ने पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में 472 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि इसकी कुल आय बढ़कर 15,200.75 करोड़ रुपये हो गई।

(पेज 8 का शेष समाचार)

जिला निर्वाचन अधिकारी दमण के दिशानिर्देश में एसआईआर स्वीप टीम ने टंडेल/माछी समाज...

आवश्यक दस्तावेजों में केंद्र/राज्य सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के नियमित कर्मचारी/पेंशनभोगी हेतु जारी पहचान पत्र अथवा पेंशन भुगतान आदेश, 01 जुलाई 1987 से पूर्व जारी पहचान पत्र/प्रमाणपत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मैट्रिकुलेशन अथवा शैक्षिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी/एससी/एसटी अथवा अन्य जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, परिवार रजिस्टर तथा सरकार द्वारा जारी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं। शिविर के दौरान समाज के अध्यक्ष एवं समिति सदस्यों ने वड में निवास कर रहे मतदाताओं को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की। इस पर स्वीप टीम ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में रिश्तेदारों द्वारा 'Enumeration Form' पर हस्ताक्षर करने का प्रावधान उपलब्ध है। साथ ही यदि पूरा परिवार वड में निवास कर रहा है, तो वे ऑनलाइन माध्यम से भी फॉर्म भर सकते हैं। चुनाव विभाग ने आश्वासन दिया कि प्रत्येक पात्र मतदाता को प्रक्रिया में शामिल करने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ताकि कोई भी पात्र नागरिक वंचित न रहे। निर्वाचन विभाग द्वारा मतदाताओं की सहायता हेतु प्रत्येक रविवार को ''बूथ डे'' घोषित किया गया है। इस दौरान संबंधित बूथों पर प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक तथा दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक अधिकारियों एवं बूथ स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति रहेगी, जहां मतदाता अपने नाम की जांच, संशोधन एवं अन्य निर्वाचन संबंधी सहायता प्राप्त कर सकेंगे। मतदाताओं की सहायता हेतु दमण निर्वाचन विभाग द्वारा कलेक्टर कार्यालय, मोटी दमण में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त टोल फ्री नंबर 1950 एवं 18002330530 के माध्यम से भी निर्वाचन विभाग से संपर्क किया जा सकता है। यह पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अतः दमण के सभी नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा की गई है।

CHANGE OF NAME

OLD NAME : MAHISHA RAHULBHAI PATEL
NEW NAME : MAHISHA ARJUN PATEL
ADD :- H.NO. 221, SADAK FALIA, DABHEL, NANI DAMAN, DAMAN : 396 210

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM SHUBHAM DOLATBHAI PATEL TO **NEW NAME SHUBHAM PATEL** AS PER DOCUMENTS

CHANGE OF NAME

OLD NAME:
KALPANA MINESH PATEL & KALPANABEN
NEW NAME:
KALPANA ARIGOAN
ADDRESS: H. NO. 333, TALAV FALIA, MOTI DAMAN, DAMAN AND DIU - 396220.

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

नागरिक आपूर्ति विभाग का कार्यालय – दीव

निविदा आमंत्रण सूचना

नागरिक आपूर्ति विभाग, दीव के लिए दिनांक 01/07/2026 से 30/06/2027 तक सरकारी खाद्यान्नों का परिवहन।

For details please scan

https://ddtenders.gov.in

निविदा सूचना सं. एवं पहचान सं.	:	01/COLL/26-27 (2026_DIUDT_4787_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि	:	—
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	:	09/06/2026
ऑनलाइन करने की तिथि	:	09/06/2026
बोली खुलने की तिथि	:	09/06/2026

नागरिक आपूर्ति विभाग का कार्यालय, दीव.

No.IP/DMN/2/5/2026-27/198 dated: 29/05/2026

संघ प्रदेश प्रशासन दानह और दमण एवं दीव,
सहायक शिक्षा निदेशक कार्यालय,
जिला पंचायत, दमण

निविदा आमंत्रण सूचना

दमण जिला में मौजूद सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय कचीगाम या या यूनियन टेरिटरी एडमिनिस्ट्रेशन, दमण और दीव द्वारा सुझाई गई जगह पर शाला प्रवेशउत्सव के लिए मंडप / पंडाल बनाने और उससे जुड़ी इवेंट मैनेजमेंट सर्विस के लिए एजेंसी चुनने के लिए प्रस्ताव का अनुरोध।

इ-निविदा संख्या. 05/2026-27
टेंडर ID: 2026_DAMAN_4806_1
F. No ADE/DP/DMN/Shala_Praveshotsav/2026/276.

ज़्यादा जानकारी के लिए, कृपया स्कैन करें	डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 05/06/2026
	हार्ड कोपी जमा करने की अंतिम तिथि 05/06/2026
https://ddtenders.gov.in	बोली खुलने की तिथि 05/06/2026

सहायक शिक्षा निदेशक कार्यालय, जिला पंचायत, दमण

No.IP/DMN/2/5/2026-27/199 Date: 29/05/2026

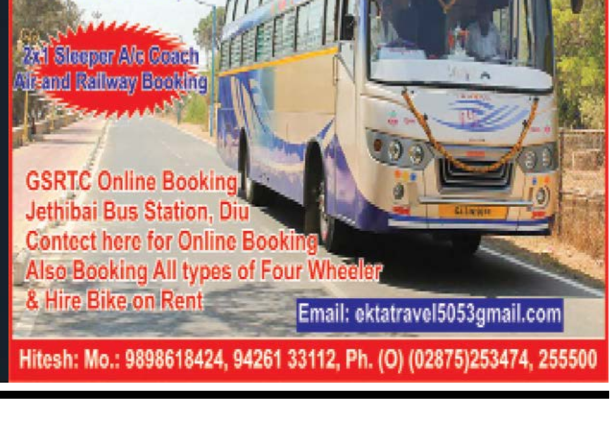

असली आज़ादी

शनिवार 30, मई 2026, दमण।

महिला वॉशरूम में मिला सीक्रेट कैमरा, सरकारी दफ्तर में मचा हड़कंप

जगतसिंहपुर ((एजेंसी)। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में स्थित जिला ग्रामीण विकास एजेंसी कार्यालय में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। यहां महिला वॉशरूम में संदिग्ध सीक्रेट कैमरा मिलने से सरकारी दफ्तर में हड़कंप मच गया। घटना सामने आने के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि वित्त विभाग में कार्यरत महिला कर्मचारी मधुस्मिता सामंतराय जब वॉशरूम में पहुंचीं, तभी उन्हें एक संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस दिखाई दिया। डिवाइस नीचे गिरा हुआ था, जिससे शक होने पर उन्होंने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध कैमरे को जब्त कर लिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। तिरतोल के उप पुलिस अधीक्षक अजय कुमार दास ने बताया कि मामले की जांच के लिए विशेष टीम बनाई गई है। कार्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कैमरा किसने और कब लगाया। डिजिटल फॉरेंसिक टीम यह जांच कर रही है कि कैमरे में कोई रिकॉर्डिंग मौजूद है या नहीं और कहीं डेटा किसी अन्य डिवाइस में ट्रांसफर तो नहीं किया गया। घटना के बाद महिला कर्मचारियों में डर और नाराजगी का माहौल है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कमजोर पड़ सकता है मानसून, अल नीनो बढ़ा रहा चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में मानसून की दस्तक को लेकर जहां अच्छी खबर सामने आ रही है, वहीं मौसम विभाग की चेतावनी ने चिंता भी बढ़ा दी है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से केरल तट की ओर बढ़ रहा है और समय से पहले पहुंचने की संभावना जताई गई है। लेकिन इसके साथ ही इस वर्ष देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान भी लगाया गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रशांत महासागर में विकसित हो रही 'अल नीनो' स्थिति भारत के मानसून को कमजोर कर सकती है। अल नीनो के प्रभाव से बारिश कम होने और गर्मी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। भारतीय मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि इस बार मानसूनी बारिश दीर्घकालिक औसत से नीचे रह सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य भारत के कई इलाकों में बारिश सामान्य से कम रह सकती है, जबकि कुछ क्षेत्रों में अचानक भारी बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति भी बन सकती है। मौसम विभाग ने जून से कई राज्यों में लू के बढ़ते खतरे की चेतावनी भी दी है। कमजोर मानसून का सबसे बड़ा असर खेती, जल संकट और महंगाई पर पड़ सकता है। देश की बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है और कम बारिश से फसलों के उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

नाबालिग से गैंगरेप का आरोपी दरोगा अरेस्ट

कानपुर(एजेंसी)। कानपुर में नाबालिग लडक़ी से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे आरोपी दरोगा अमित कुमार मौर्या को पुलिस 144 दिन बाद गिरफ्तार कर सकी। आरोपी दरोगा पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। आरोप है कि 5 जनवरी को दरोगा ने यूट्यूबर शिवबरन सिंह के साथ मिलकर सचेंडी क्षेत्र निवासी 14 साल की लडक़ी के साथ गैंगरेप किया। इसके बाद पुलिस ने यूट्यूबर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि आरोपी दरोगा फरार चल रहा था। पीड़ित लडक़ी के मुताबिक, 5 जनवरी की रात करीब 9.30 बजे वह शौच के लिए घर से बाहर गई थी। इसी दौरान भीमसेन चौकी में तैनात दरोगा अमित कुमार मौर्या और यूट्यूबर शिवबरन यादव ने उसके साथ गैंगरेप किया। करीब 45 मिनट तक उसके साथ दरिंदगी हुई। मामले में किशोरी की शिकायत पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

पूर्व सपा नेता नवाब सिंह को 8 साल की सजा

कन्नौज (एजेंसी)। नाबालिग से रेप के आरोपी और पूर्व सपा नेता नवाब सिंह यादव और उसके भाई नीलू को गैंगस्टर मामले में 8-8 साल की सजा हुई है। कन्नौज कोर्ट ने शुक्रवार को इसी मामले में सहआरोपी पूजा तोमर को भी 6 साल की सजा सुनाई। कोर्ट ने नवाब और नीलू पर 10-10 लाख रुपए और पूजा तोमर पर 5 लाख का जुर्माना लगाया है। नवाब सिंह यादव को दो साल पहले 15 साल की नाबालिग से रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पीड़ित को पूजा तोमर नवाब सिंह के पास लेकर पहुंची थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे सह-आरोपी बनाया था। जांच में सामने आया कि नवाब सिंह के भाई नीलू ने साक्ष्य मिटाने और जांच को प्रभावित करने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने नीलू और नाबालिग की रिश्तेदार को भी गिरफ्तार किया। मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर ओडिशा में अलर्ट, सीमावर्ती जिलों में बढ़ाई निगरानी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ चल रहे अभियान के बाद अब ओडिशा सरकार भी सतर्क हुई है। ओडिशा सरकार ने पश्चिम बंगाल से सटी सीमाओं वाले जिलों में संभावित घुसपैठ को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। खासतौर पर बालासोर और मयूरभंज जिलों में सुरक्षा एजेंसियों को निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश हैं। यह कदम तब उठाया गया, जब उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट उप-मंडल स्थित हाकिमपुर जांच चौकी पर बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों के जुटने की खबर सामने आई। पुलिस उपमहानिरीक्षक (पूर्वी परिक्षेत्र) पिनाक मिश्रा ने कहा कि बंगाल में कार्रवाई के चलते संदिग्ध घुसपैठिए दूसरे राज्यों की ओर रुख कर सकते हैं। इसके बाद उनके ओडिशा में प्रवेश की आशंका को देखकर राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती इलाकों के साथ-साथ जलमार्गों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है और संबंधित पुलिस थानों को सतर्क किया गया है। मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें कानून के तहत देश से बाहर भेजने की प्रक्रिया जारी है। बालासोर जिले के भोगराई और जलेश्वर ब्लॉक पश्चिम बंगाल के कई जिलों से जुड़े हुए हैं, जबकि मयूरभंज की सीमा भी पश्चिम मेदिनीपुर से लगती है। इसकारण इन इलाकों में अतिरिक्त चौकसी बरती जा रही है। इस मुद्दे पर ओडिशा की राजनीति भी गरमा गई है। राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि घुसपैठियों की पहचान और निर्वासन के लिए अभियान पहले से चलाया जा रहा है।

भारत के पास सिर्फ 4-5 दिन का रणनीतिक तेल भंडार: पेट्रोल-एलपीजी की कीमतों पर दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच, कंसल्टेंसी फर्म ने भारत को भविष्य के संकटों से बचने के लिए एक बड़ा रणनीतिक भंडार तैयार करने की चेतावनी दी है। फर्म की मई 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास वर्तमान में केवल 4-5 दिनों की घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए ही कच्चा तेल रणनीतिक भंडार में है, जो आम लोगों की जेब पर पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और खाद की कीमतों में भारी उछाल के रूप में सीधा असर डाल सकता है।

रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में जारी संकट को बड़ी वजह माना गया है, जिसने भारत की आयात पर अत्यधिक निर्भरता को उजागर किया है। कंसल्टेंसी फर्म का कहना है कि अगर वैश्विक संकट लंबा खिंचता है, तब ईंधन की बढ़ती कीमतें सिर्फ पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि ट्रांसपोर्ट, बिजली, खेती और रोजमर्रा के खर्चों को भी महंगा करेंगी। विशेष रूप से, महंगे उर्वरक सीधे तौर पर खाद्य महंगाई को बढ़ावा देने वाले हैं, जिससे आम आदमी का बजट और बिगड़ सकता है।

भारत के सीमित भंडार की तुलना में चीन और जापान जैसे देशों के पास कहीं अधिक बड़े रणनीतिक भंडार मौजूद हैं। इस गंभीर स्थिति को देखकर मोदी सरकार को पांच प्रमुख क्षेत्रों कच्चा तेल, खाद, रेयर अर्थ मटेरियल, जरूरी दवाइयां और मेडिकल इंस्ट्रूमेंट्स में बड़े रिजर्व बनाने की सलाह दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन भंडारों से वैश्विक सप्लाई चेन बाधित होने पर भी देश में जरूरी सामान की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

अप्रैल 2026 में वैश्विक कच्चे तेल की औसत कीमत 103.9 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो जुलाई 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। कंसल्टेंसी फर्म ने चेतावनी दी है कि तेल की कीमतों में लंबे समय तक वृद्धि भारत के चालू खाता घाटे और महंगाई दोनों को बढ़ा सकती है, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ सकता है और आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। इस चुनौती से निपटने के लिए, रिपोर्ट में भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईसी) और इंडो-पैसिफिक रूट्स को मजबूत करने की वकालत की गई है। साथ ही, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ग्रीन एनर्जी और घरेलू ऊर्जा उत्पादन को तेजी से बढ़ाने पर जोर दिया गया है, ताकि आयातित तेल पर निर्भरता कम हो सके। कंसल्टेंसी फर्म का स्पष्ट मानना है कि मौजूदा वैश्विक हालात इस बात को पुख्ता करते हैं कि अब केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि आर्थिक सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। खासकर भारत जैसे विशाल आयात-निर्भर देश के लिए भविष्य के अप्रत्याशित झटकों से निपटने के लिए पहले से तैयारी करना अत्यंत आवश्यक है।

केरल विधानसभा में वंदे मातरम के अधूरे गान पर राज्यपाल अर्लेकर ने जाहिर की नाराजगी

तिरुवंतनमपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने केरलम सरकार के नीतिगत भाषण के दौरान वंदे मातरम के पूर्ण गायन न होने पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने इस उचित प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताकर कहा कि राज्यपाल की उपस्थिति में राष्ट्रीय गीत का पूरा गायन अनिवार्य है। विधानसभा सत्र से लौटने के बाद राज्यपाल अर्लेकर ने स्पष्ट किया कि सदन में गीत केवल बजाया गया, गाया नहीं गया, और वह भी अधूरा। उन्होंने बताया कि उन्होंने इसबारे में विधानसभा अध्यक्ष थिरुवनचूर राधाकृष्णन से पहले ही बात कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि इस मुद्दे का उचित समाधान निकलेगा। इस घटना पर भाजपा ने भी कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और कझाक्कुट्टम विधायक वी. मुरलीधरन ने आरोप लगाया कि यह न केवल राज्यपाल का बल्कि वंदे मातरम और लोकसभा का भी अपमान है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कि राज्यपाल की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों में वंदे मातरम का पूर्ण गायन होना चाहिए, केरल विधानसभा में इसका पालन नहीं किया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरलीधरन ने इसके लिए वी. डी. सतीशान के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार को जिम्मेदार मानकर कहा कि यह जमात-ए-इस्लामी और सीपीआई (एम) के दबाव में किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इससे यह संदेश जाता है कि सरकार वंदे मातरम को धर्मनिरपेक्षता के अनुरूप नहीं मानती। इस घटना ने राज्य की राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है, जहां राष्ट्रीय गीतों के प्रोटोकॉल और राजनीतिक मंशा पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

राष्ट्रपति बनने के बाद पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे मिन आंग ह्लाइंग

-चीन को छोड़ भारत को दे रहे प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिन आंग ह्लाइंग म्यांमार के राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत आने वाले हैं। रविवार को नई दिल्ली पहुंचने वाले मिन आंग ह्लाइंग की यह यात्रा रणनीतिक और सुरक्षा दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। खास बात यह है कि चीन के साथ करीबी संबंधों के बावजूद उन्होंने अपनी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना है, जिसे बदलते क्षेत्रीय भू-राजनीतिक समीकरणों में अहम संकेत माना जा रहा है।

यहां बताते चलें, कि मिन आंग ह्लाइंग ने 10 अप्रैल 2026 को म्यांमार के राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला था। इससे पहले वह सैन्य जुंटा के प्रमुख के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे थे। भारत और म्यांमार के बीच 1,600 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा है, जो पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा और उग्रवाद से जुड़ी चुनौतियों के कारण हमेशा संवेदनशील रही है। भारत सरकार की ओर से राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने हिस्सा लिया था और उसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया गया था। बताया जा रहा है कि इस यात्रा में दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार, विकास और कनेक्टिविटी जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्र सरकार के 'मिशन 2029' में म्यांमार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। इस मिशन का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत से उग्रवाद का पूरी तरह खात्मा करना है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार कई उग्रवादी संगठन वर्षों से म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में पनाह लेते रहे हैं। इनमें एनएससीएन, उल्फा और कई मणिपुरी उग्रवादी समूह शामिल हैं। भारत और म्यांमार के बीच बेहतर तालमेल से सीमा पार हथियारों की तस्करी, नार्को-टेररिज्म और उग्रवाद पर प्रभावी नियंत्रण संभव माना जा रहा है। इससे पहले भारतीय सुरक्षा बल म्यांमार में उग्रवादी ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई भी कर चुके हैं। हाल ही में तत्कालीन नौसेना प्रमुख दिनेश कुमार त्रिपाठी की म्यांमार यात्रा भी द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी गई थी।

विधानसभा चुनावों में हार के बाद सक्रिय हुआ इंडिया गठबंधन, जून में हो सकती है बड़ी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों को मिली हार के बाद इंडिया गठबंधन एक बार फिर सक्रिय होता दिखाई दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक विपक्षी गठबंधन के प्रमुख नेताओं की अहम बैठक जून के पहले सप्ताह में हो सकती है। माना जा रहा है कि यह बैठक छह जून को आयोजित की जा सकती है।

पश्चिम बंगाल और असम में मिली हार के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने विपक्षी एकता को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया है। ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाने की मांग करते हुए कहा कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष को एकजुट होना होगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हालिया चुनाव परिणामों ने साफ संकेत दिया है कि भारतीय जनता पार्टी लगातार मजबूत हो रही है, जबकि कई क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक पकड़ कमजोर पड़ी है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, तमिलनाडु में एम. के. स्टालिन, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और बिहार में तेजस्वी यादव को चुनावी झटके लगे हैं। वहीं कांग्रेस ने केरल में वापसी कर अपनी स्थिति मजबूत करने का संकेत दिया है। सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित बैठक में संसद की रणनीति, राज्यों में सीटों का तालमेल और राष्ट्रीय मुद्दों पर साझा अभियान को लेकर चर्चा हो सकती है। विपक्षी दलों के बीच समन्वय की कमी बिहार चुनाव में भी दिखाई दी थी, जहां कई सीटों पर सहयोगी दल आमने-सामने चुनाव लड़ते नजर आए थे। इंडिया गठबंधन का गठन वर्ष 2023 में हुआ था और इसकी पहली बैठक पटना में आयोजित की गई थी। अब आगामी बैठक को विपक्षी राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पंजाब निकाय चुनाव: दूसरे और तीसरे नहीं चौथे नंबर पर भगवा दल

-नए अध्यक्ष को कमान मिलते ही लगा करारा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठन में बड़े बदलाव की उम्मीदों पर निकाय चुनाव के नतीजों ने पानी फेर दिया है। केवल सिंह ढिल्लों को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के महज 24 घंटे के अंदर नगर निकाय चुनाव परिणामों ने भगवा दल को तगड़ा झटका दिया है। भाजपा ने ढिल्लों के रूप में एक नया चेहरा पेश कर कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने और विधानसभा चुनाव से पहले सकारात्मक माहौल बनाने की उम्मीद की थी, लेकिन इन नतीजों ने उन उम्मीदों पर ठंडा पानी डाल दिया। पार्टी पूरे राज्य में सिर्फ 52 सीटों पर सिमट गई, जो उसके लिए गंभीर चिंता का विषय है।

इन परिणामों की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि भाजपा न सिर्फ आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल से पीछे रही, बल्कि अन्य उम्मीदवारों और निर्दलियों से भी पिछड़ गई। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि पंजाब में भाजपा अभी भी अपनी जमीन तलाश रही है और भगवा दल को राजनीतिक रूप से खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए लंबा सफर तय करना है। किसान आंदोलन के बाद बनी दूरी, स्थानीय नेतृत्व का अभाव और क्षेत्रीय राजनीतिक मुद्दों की गहरी समझ की कमी पार्टी को लगातार नुकसान पहुंचा रही है। अब नए अध्यक्ष ढिल्लों के सामने सिर्फ संगठन चलाने की नहीं, बल्कि पार्टी को कठिन परिस्थिति से बाहर निकालने और जनता का विश्वास फिर से जीतने की बड़ी चुनौती खड़ी है। नगर निकाय चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए केवल हार नहीं, बल्कि एक गहरी चेतावनी की घंटी हैं। पंजाब जैसे राज्य में जहां लोकल और क्षेत्रीय मुद्दे राष्ट्रीय विमर्श पर हावी रहते हैं, वहां भाजपा अभी तक एक मजबूत जनाधार स्थापित नहीं कर सकी है। इन चुनावों में आम आदमी पार्टी ने फिर अपनी संगठनात्मक शक्ति और लोकल स्तर पर मजबूत पकड़ का प्रदर्शन किया। भगवंत मान सरकार की मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी लोक-लुभावन योजनाओं ने शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पार्टी को जनसमर्थन दिलाया। वहीं, कांग्रेस अपनी पारंपरिक ताकत बचाने में सफल रही और अकाली दल भी भाजपा से बेहतर प्रदर्शन कर उससे आगे निकलने में कामयाब रहा। इसके बाद भाजपा के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ चेहरा बदलने से पंजाब में उसके हालात बदल जाएंगे? ढिल्लों को अब केवल कार्यकर्ताओं में भरोसा बहाल करने की नहीं, बल्कि बूथ स्तर से लेकर किसान और सिख समुदाय तक पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए भी कड़ी मेहनत करनी होगी। पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव कर केवल हिंदुत्व की राजनीति से आगे बढ़कर लोकल मुद्दों जैसे किसानों की समस्याएं, बेरोजगारी, व्यापार और नशे की समस्या पर ठोस कार्य करना होगा।

इबोला से निपटने बेंगलुरु और मंगलुरु में विशेष केंद्र तैयार

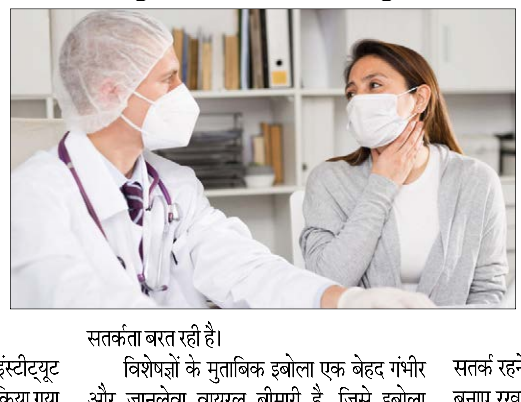

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने इबोला वायरस के संक्रमण की आशंका को देखते हुए निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को और मजबूत करना शुरू कर दिया है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा में तेजी से फैल रहे संक्रमण के मद्देनजर भारत में भी एहतियाती कदम तेज कर दिए गए हैं। बेंगलुरु और मंगलुरु में विशेष केंद्र तैयार किए गए हैं ताकि किसी भी संदिग्ध स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, बेंगलुरु स्थित राजीव गांधी चेस्ट डिजीज इंस्टीट्यूट को आइसोलेशन सेंटर के रूप में विकसित किया गया है। यहां इबोला के कुछ संदिग्ध मामलों के सामने आने के बाद निगरानी बढ़ा दी गई है। संदिग्ध मरीजों के नमूनों की जांच पहले एनआईवी बेंगलुरु में की जाएगी और उसके बाद पुष्टि के लिए एनआईवी पुणे भेजा जाएगा। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि फिलहाल भारत में इबोला संक्रमण का कोई भी पुष्ट मामला सामने नहीं आया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्राओं और व्यापारिक गतिविधियों को देखते हुए सरकार पूरी सतर्कता बरत रही है।

विशेषज्ञों के मुताबिक इबोला एक बेहद गंभीर और जानलेवा वायरल बीमारी है, जिसे इबोला वायरस डिजीज के नाम से भी जाना जाता है। यह संक्रमण संक्रमित व्यक्ति या जानवर के खून, अंगों और शरीर से निकलने वाले तरल पदार्थों के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। संक्रमित कपड़े, बिस्तर, सुई और अन्य वस्तुएं भी संक्रमण फैलाने का माध्यम बन सकती हैं। स्वास्थ्यकर्मियों और संक्रमित मरीजों के करीबी लोगों को सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इबोला के लक्षण आमतौर पर वायरस के संपर्क में आने के दो से इक्कीस दिनों के भीतर दिखाई देने लगते हैं। शुरुआती लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और गले में खराश शामिल हैं। इसके बाद मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, आंखों का लाल होना और शरीर पर लाल चकत्ते जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

गंभीर स्थिति में आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव भी हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को घबराने के बजाय सतर्क रहने की सलाह दी है। संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाए रखने, हाथों को नियमित रूप से साफ करने, मास्क और ग्लव्स का उपयोग करने तथा संक्रमित क्षेत्रों की यात्रा से बचने की अपील की गई है। डॉक्टरों का कहना है कि समय पर जांच, इलाज और आइसोलेशन से संक्रमण को फैलने से काफी हद तक रोका जा सकता है। बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इबोला वायरस के बढ़ते खतरे को लेकर वैश्विक स्वास्थ्य आपातस्थिति घोषित किए जाने के बाद भारत में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है।

पुणे शराब कांड : आदित्य ठाकरे का सरकार पर हमला, सिर्फ दिखावे की गिरफ्तारी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में जहरीली शराब के सेवन से 18 लोगों की मौत के बाद शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। श्री ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार और पुलिस सिर्फ दिखावे के लिए लोगों को गिरफ्तार करती है है। उन्होंने पुणे के हालिया पोर्श कार हादसे के आरोपी की जेल से रिहाई के बाद जश्न मनाने के वीडियो का भी जिक्र कर कहा, अगर कानून-व्यवस्था की यही हालत है, तब हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं।

पिछले 48 घंटों में हुई इन मौतों ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। पिंपरी चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी और दापोड़ी में 13 लोगों ने जान गंवाई, जबकि पुणे के हडपसर और कालेपदल में पांच लोगों की मौत शराब के सेवन से हुई। पीड़ितों में गंभीर चक्कर आना और पेट दर्द जैसे समान लक्षण दिखाई दिए, जो मेथनॉल विषाक्तता के शुरुआती लक्षण हैं। शुरुआत में पुलिस ने इन मौतों को अलग-अलग बीमारियों से जोड़ने की कोशिश की, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद भारतीय न्याय संहिता और महाराष्ट्र निषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

इस मामले में योगेश वानखेड़े नामक व्यक्ति महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सामने आया, जिसने पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया और वानखेड़े को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि उसने पुणे शहर और पिंपरी चिंचवड क्षेत्रों में रासायनिक पदार्थ युक्त शराब की आपूर्ति की थी। राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के पुलिस अधीक्षक अतुल कनाडे ने पुष्टि की कि आरोपी ने शराब में जहरीला रसायन मेथनॉल मिलाया था। अवैध शराब के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए आगे पूछताछ जारी है।

पिंपरी-चिंचवड शहर के पुलिस आयुक्त विनय चौबे ने बताया कि वानखेड़े के अलावा पांच आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं, जबकि दो अन्य उत्पाद शुल्क विभाग की हिरासत में हैं। जांच को बाद में क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। लोगों का आरोप है कि दापोड़ी, फुगेवाड़ी और हडपसर जैसे इलाकों में अवैध देसी शराब की बिक्री बेरोकटोक जारी थी और पुलिस व उत्पाद शुल्क अधिकारी इस पर आंखें मूंदे हुए थे। पीड़ितों के परिजनों ने बताया कि शराब पीने के कुछ ही मिनटों बाद उन्हें उल्टी और पेट में तेज दर्द होने लगा था।

भारत-फ्रांस राफेल डील: यूक्रेन की चिंता और सोर्स कोड पर विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सैन्य इतिहास का सबसे बड़ा रक्षा सौदा करने की तैयारी में है, इसके तहत वह फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदेगा। यह सौदा करीब 35 से 40 अरब डॉलर का हो सकता है। भारत ने लेटर ऑफ़ रिक्वेस्ट (एलओआर) को मंज़ूरी दे दी है, इस जल्द ही पेरिस भेजा जाएगा। इस समझौते की एक खास शर्त यह है कि 114 विमानों में से 90 का निर्माण स्थानीय शर्तों के तहत भारत में ही होगा, जिसके लिए 50 प्रतिशत पुर्ज़ों का उत्पादन देश में ही होना अनिवार्य है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जून के अंत में प्रस्तावित फ्रांस यात्रा से पहले भारतीय वायु सेना प्रमुख अगले महीने फ्रांस का दौरा कर रहे है। इस साल के अंत तक इस अनुबंध पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत राफेल के वेपन कंट्रोल सिस्टम इंटरफ़ेस तक पहुँच बनाकर अपने स्वयं के हथियार, जैसे अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल और ब्रह्मोस एंटी-शिप मिसाइल को एकीकृत करने पर भी बातचीत कर रहा है।

हालांकि, भारत और फ्रांस के बीच होने वाले बड़े सौदे से यूक्रेन की चिंताएँ बढ़ी हैं। दरअसल, यूक्रेन की वायु सेना ने स्वयं 100 राफेल जेट खरीदने की योजना की घोषणा की थी, लेकिन अब ये योजनाएँ अनिश्चित नज़र आ रही हैं, मुख्यतः फंडिंग के मुद्दे के कारण। भारतीय महाडील के तहत भारत में ही राफेल की उत्पादन लाइन का निर्माण होगा, जिससे फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन पर मौजूदा ऑर्डर का बोझ और बढ़ जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, डसॉल्ट एविएशन के पास पहले से ही करीब 220 राफेल विमानों का ऑर्डर लंबित है, और कंपनी सालाना करीब 26-30 विमान ही बना पाती है। यदि भारत का यह विशाल ऑर्डर भी जुड़ता है, तब डसॉल्ट का बैकलॉग 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाएगा। इससे फ्रांस के अपने रक्षा बेड़े और यूक्रेन या अन्य यूरोपीय सहयोगियों को हथियारों की डिलीवरी में भारी देरी हो सकती है।

इन चिंताओं के बीच, यूक्रेनी अख़बार ने एक प्रोपेगेंडा फैलाकर आरोप लगाया है कि भारत फ्रांस पर राफेल के सॉफ्टवेयर इंटरफेस यानी सोर्स कोड तक पहुँच देने का दबाव बना रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय इंजीनियरों को ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइलों को विमान में सीधे जोड़ने में सक्षम बनाना है। अख़बार ने दावा किया है कि फ्रांस और पश्चिमी देशों को डर है कि चूंकि ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है, यदि भारत को राफेल के गुप्त सॉफ्टवेयर कोड मिल जाते हैं, तब ब्रह्मोस एकीकरण के बहाने रूसी इंजीनियर फ्रांस के सबसे उन्नत राफेल एफ4/एफ5 विमानों के कॉम्बैट एल्गोरिदम और रडार तकनीक को डीकोड या लीक कर सकते हैं, जिसका सीधा फायदा यूक्रेन युद्ध में रूस को मिलेगा।

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन- अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

भील और भारिया की दो कहावतें हैं - भील कहते हैं, 'होने नी रेत, ने खोने नो डर' और भारिया कहते हैं 'डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।' इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है - 'जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?' जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है - 'बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए'। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा - 'हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे।

लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है - 'अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं'।

रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा-सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले

लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए।

ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड (FCRA) का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं।

यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि 'जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।'

कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि ₹तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।₹ लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं; और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है।

दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया।

असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है।

चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है।

झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा कानून (PESA Act, 1996) का कार्य भली भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल माँग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणापत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता, और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को 'धर्मनिरपेक्षता' के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी 'अस्मिता' की रक्षा करने में विफल रहे, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में एक नए 'उलगुलान' (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

संपादकीय

जरूरी सत्ता परिवर्तन

कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस सगंठन व कार्यकताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है। राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर-सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व-द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज-तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निर्विवाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है। बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है। माना जाता है कि इन वर्गों में सिद्धारमैया की खासी मजबूत पकड़ रही है।

चिंतन-मनन

सदाचार की परीक्षा

राजा अंग सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह गलत संगति में पड़कर अनुचित कार्य करने लगा। चारों तरफ से उसकी शिकायतें आने लगीं। इससे राजा अत्यंत चिंतित हो गए। प्रवीण सिंह अभी बालक ही था, इसलिए राजा चाहते थे कि उसका स्वभाव बदले और भविष्य में वह एक नेक राजा बन सके।

वह उसे अपने गुरु सोमदेव के पास लेकर आए। सोमदेव ने युवराज को छह माह तक अपने आश्रम में छोड़ देने के लिए कहा। वह प्रतिदिन युवराज को अपने साथ रखते और उससे कई कार्य कराते। इसी तरह तीन महीने बीत गए। अब राजकुमार पर सुसंगति के साथ ही गुरुदेव की बातों का असर पड़ने लगा था। एक दिन गुरु बोले, पुत्र, ईश्वर हर जगह मौजूद है। याद रखो दुष्कर्म और पाप की सजा मिलती अवश्य है क्योंकि ईश्वर सब कुछ देख रहा होता है। जब तुम किसी प्रलोभन से पाप करने को उतारू हो तो वहीं ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो। तुम हर जगह यह सोचो कि मेरा प्रभु मेरे सामने है।

वह ये बातें प्रतिदिन युवराज को बताते। एक दिन उन्होंने राजकुमार को एक खरगोश देकर उसे एकांत में ले जाकर मारने को कहा। युवराज खरगोश को लेकर कई स्थानों पर गया लेकिन उसकी गर्दन नहीं मरोड़ पाया। वह जब भी उसकी गर्दन पर हाथ रखता तो उसकी निरीह आंखों में उसे ईश्वर नजर आते। कई घंटों बाद वह वापस जीवित खरगोश को लेकर गुरु के पास पहुंचा और बोला, गुरु जी आप ही ने तो सिखाया है कि हर किसी में ईश्वर की उपस्थिति समझो। फिर मैं अकेला कैसे हो सकता हूं? इस खरगोश की भोली आंखों में मुझे ईश्वर की उपस्थिति नजर आई। इसलिए मैं इसे मार नहीं पाया। युवराज की बात सुनकर गुरु सोमदेव ने उसे गले से लगा लिया और बोले, पुत्र, आज तुम सदाचार और प्रेम की परीक्षा में पास हो गए हो। इसके बाद महाराज उसे अपने साथ ले गए।

'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ

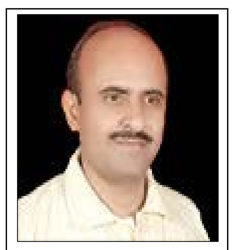

कमलेश पांडेय

'लचीली भूराजनीति' यानी फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स का जन्मदाता भारत की देखा-देखी अब पूरी दुनिया में इसका प्रचलन बढ़ रहा है। इसे मोदी डॉक्ट्रिन कहना ज्यादा उचित होगा, जो गुटनिरपेक्षता का हाइब्रिड पालिसी संस्करण है। आम कहानी वाली भाषा में कहें तो 'खुल जा सिमसिम और बंद हो जा सिमसिम' वाली वैश्विक कूटनीति ही अब लचीली भूराजनीतिक बन चुकी है।

दरअसल, फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स यानी लचीली भूराजनीति का अर्थ ऐसी अवसरवादी विदेश नीति से है, जिसमें देश अपने हित के अनुसार कभी दोस्ती का दरवाजा खोलते हैं और कभी तुरंत बंद कर लेते हैं। आज की दुनिया में यही 'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' तेजी से बढ़ रही है।

जिसके सफल उपयोगकर्ता टीम पीएम मोदी हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ भारत जैसे उन देशों को होता है जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली हों, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हों, सैन्य रूप से सक्षम हों, और बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन साधना जानते हों। यही वजह है कि भारत इसे अपनाकर दुनिया के शीर्षस्थ देशों की कतार में शामिल होने की दिशा में बढ़ता जा रहा है।

सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधिक लाभः संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस-भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और तकनीकी नियंत्रण का इस्तेमाल कर सकती हैं। 'मित्र' और 'प्रतिद्वंद्वी' दोनों से व्यापार जारी रख सकती हैं। उदाहरणः अमेरिका, चीन से प्रतिस्पर्धा भी करता है और व्यापार भी। चीन रूस का साझेदार है लेकिन पश्चिमी बाजार भी नहीं छोड़ना चाहता। वहीं, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद एशियाई देशों से संबंध मजबूत कर रहा है।

दूसरा, मध्यम शक्तियों का भी फायदाः भारत, तुर्किये, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति से लाभ उठा रहे हैं। भारत इसका बड़ा उदाहरण है, जो क्वाड (Quad) में भी है, ब्रिक्स (BRICS) में भी, रूस से रक्षा सहयोग भी रखता है, और अमेरिका से तकनीकी साझेदारी भी बढ़ाता है। इससे रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहती है, निवेश कई दिशाओं से आता है, और वैश्विक मंचों पर प्रभाव बढ़ता है।

तीसरा, कॉर्पोरेट और टेक कंपनियों को बड़ा लाभः एप्पल (Apple), टेस्ला (Tesla), माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) जैसी वैश्विक कंपनियाँ देशों की प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाती हैं। क्योंकि देश उन्हें निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स छूट देते हैं, सप्लाई चेन अपने यहाँ लाने की कोशिश करते हैं, और टेक्नोलॉजी कंपनियों को रणनीतिक साझेदार मानते हैं।

सवाल है कि ऐसी मतलबी कूटनीति से नुकसान किसका? तो जवाब होगा कि-

पहला, छोटे और कमजोर देशों काः अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और छोटे एशियाई देशों पर दबाव बढ़ता है कि वे किसी एक खेमे का समर्थन करें। वे कर्ज जाल, प्रतिबंध, राजनीतिक दबाव, और सामरिक प्रतिस्पर्धा के बीच फँस जाते हैं।

दूसरा, वैश्विक स्थिरता काः ऐसी कूटनीति में भरोसा कम होता है। देश स्थायी मित्र नहीं बल्कि 'तात्कालिक हित' देखते हैं। इससे युद्धों की आशंका बढ़ती है, व्यापारिक तनाव बढ़ता है, और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं।

भारत के लिए क्या संदेश?

वहीं, भारत के लिए यह दौर अवसर भी है और चुनौती भी। यदि भारत नवाचार, निर्माण, रक्षा आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा, और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है, तो वह इस बदलती दुनिया में 'संतुलनकारी शक्ति' बन सकता है। लेकिन यदि आर्थिक और तकनीकी शक्ति पर्याप्त न हो, तो ऐसी 'खुल जा सिमसिम' कूटनीति में बड़े देश छोटे देशों को केवल रणनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि इस प्रकार की वैश्विक कूटनीति का सबसे बड़ा लाभ उन्हीं देशों और कंपनियों को मिलेगा जिनके पास शक्ति, पूँजी, तकनीक और विकल्प हैं। जबकि कमजोर देशों के लिए यह अनिश्चितता, दबाव और निर्भरता का नया युग भी बन सकता है।

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

विनोद कुमार सिंह

राष्ट्र निर्माण,जनजागरण और लोकतंत्र की आत्मा बनी हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा...

'खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।' अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्ज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। 'बनारस अखबार','हिन्दी प्रदीप','कवि वचन सुधा', 'भारत मित्र', 'सरस्वती' और 'प्रताप' जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का 'प्रताप' केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

'सत्य लिखना यदि अपराध है,
तो यह अपराध बार-बार होगा।'

यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी।

समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है।आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है।छोटे शहरों और गाँवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुँचा दिया है।डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं।

आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट 'विश्वसनीयता' का है।फेक न्यूज,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी की अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉरपोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है।'पहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है।'यह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेजी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है।'सबसे पहलेह्व दिखाने की होड़ में 'सबसे सही' दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच तो दिया है, लेकिन बिना पुष्टि की सूचनाओं ने समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण भी पैदा किया है। पत्रकारिता यदि केवल शोर बनकर रह जाएगी,तो समाज का विश्वास टूटेगा।लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका प्रहरी की होती है,प्रचारक की नहीं।पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं,बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है।

इन चुनौतियों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल दिखाई देता है। भविष्य मे आने वाला समय 'भाषाई पत्रकारिता' का होगा। भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में बसती है और हिन्दी पत्रकारिता उसी आत्मा की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक),डेटा पत्रकारिता और तकनीकी नवाचार समाचारों की प्रस्तुति को बदलेंगे, लेकिन पत्रकारिता की वास्तविक आत्मा वही रहेगी।पत्रकारिता का भविष्य तकनीक से नहीं,उसकी नीयत से तय होगा। मशीनें खबर लिख सकती हैं, लेकिन समाज की पीड़ा को महसूस करने का सामर्थ्य केवल संवेदन शील पत्रकार के पास होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता पुनः अपने मूल आदर्शों-सत्य,निष्पक्षता,जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व - को याद करे।' कलम बिकनी नहीं चाहिए,सत्य झुकना नहीं चाहिए।' निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है।' हिन्दी पत्रकारिता की लगभग दो शताब्दियों की यह यात्रा केवल इतिहास नहीं,बल्कि भारत की सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है।यह यात्रा संघर्ष की भी है,साहस की भी है और जनविश्वास की भी है।आज आवश्यकता ऐसे पत्रकारों की है जो सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस रखें,समाज की आवाज बनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें।लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति संसद से पहले समाज की जागरूक चेतना में बसती है और उस चेतना को जगाने का कार्य पत्रकारिता ही करती है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि कलम की ताकत किसी भी सत्ता से बड़ी होती है।यही वह शक्ति है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया,लोकतंत्र को मजबूत किया और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को मंच प्रदान किया।

आज हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर उन सभी पत्रकारों,संपादकों, लेखकों, फोटोग्राफरों, कैमरामैनों और समाचार कर्मियों को विनम्र नमन,जिन्होंने अपनी लेखनी और कर्म से समाज को जागृत किया, लोकतंत्र को सशक्त बनाया और राष्ट्र की चेतना को जीवित रखा। 'स्याही से लिखी गई सच्चाई, इतिहास बदलने की ताकत रखती है।'हिन्दी पत्रकारिता केवल भाषा की पत्रकारिता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है।

(नोट - लेखक स्वतंत्र पत्रकार ,स्तम्भकार व मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति के उपाध्यक्ष है।)

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भारतीय नागरिक गिरफ्तार : बेसबॉल बैट से हमला करने का आरोप, पुलिस ने बताया अवैध अप्रवासी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल हुए एक भारतीय नागरिक को कथित तौर पर बेसबॉल बैट से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। धवल अमरतभाई पटेल को सबसे पहले 16 मई को मैसाचुसेट्स के वॉर्सेस्टर पुलिस विभाग ने गिरफ्तार किया था। उस पर खतरनाक हथियार से हमला और मारपीट करने का आरोप लगाया गया। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, जिस शराब की दुकान में पटेल काम करता था वहां एक ग्राहक के साथ उसकी बहस हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद उसने बेसबॉल बैट उठाकर उस व्यक्ति पर हमला कर दिया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि मैसाचुसेट्स के सैंक्चुअरी पॉलिटिशियंस ने आईसीई अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं किया और पटेल को बिना सूचना दिए जेल से रिहा कर दिया गया। इसके बाद ने 18 मई को पटेल को गिरफ्तार कर लिया। मुताबिक, पटेल ने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया था। कार्यवाहक सहायक सचिव लॉरेन बिस ने कहा कि भारत से आया यह अवैध व्यक्ति सोचता था कि वह बेसबॉल बैट से लोगों पर हमला कर सकता है। सैंक्चुअरी नेताओं ने उसे गिरफ्तार होने के बाद भी रिहा कर दिया।

भारत को पाकिस्तान और चीन से ही सबसे बड़ा खतरा, रिपोर्ट में बड़ा दावा

सिंगापुर, एजेंसी। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां आगे भी पाकिस्तान और चीन के इर्द-गिर्द केंद्रित रहेंगी। सिंगापुर में सप्ताहांत में अंतरराष्ट्रीय रक्षा संवाद आयोजित होने जा रहा है, उससे पहले एक रिपोर्ट जारी हुई है, जिसमें यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में किसी भी संभावित पारंपरिक युद्ध की प्रकृति स्थानीय ही रहेगी। लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की 'एशिया-पैसिफिक रीजनल सिक्योरिटी असेसमेंट' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपने दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों के कारण बड़े पैमाने पर पारंपरिक सैन्य अभियानों के लिए सेना को तैयार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के साथ भारत के सीमा विवाद अपेक्षाकृत पारंपरिक प्रकृति के हैं और इनके भारत-पाक संघर्षों जैसी तीव्रता तक पहुंचने की संभावना कम है। इसके बावजूद भारत की चीन और पाकिस्तान दोनों के साथ सीमाएं सैन्य रूप से संवेदनशील बनी रहेंगी। हिंद महासागर क्षेत्र से बाहर भारत की व्यापक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सक्रिय सैन्य भूमिका निभाने की संभावना कम है। साथ ही भारत, ताइवान को लेकर संभावित अमेरिका-चीन संघर्ष से भी दूरी बनाए रखने की कोशिश करेगा।

सीजफायर के बीच ईरान पर दूसरा हमला, रक्षात्मक अमेरिकी कार्रवाई के बीच ट्रंप ने डील के दिए संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को ईरान के खिलाफ इस सप्ताह अपना दूसरा रक्षात्मक हमला किया। अधिकारियों ने ईरानी सेना की आक्रामक गतिविधि देखी थी। दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी सेना ने चार ईरानी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने एक ऐसे अड्डे पर भी हमला किया जो पांचवां ड्रोन लॉन्च करने वाला था। अधिकारियों ने कहा कि ये ड्रोन होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान 'कमजोर स्थिति में बातचीत कर रहा है'। उन्होंने जोर दिया कि नवंबर में होने वाले मध्यवर्ती चुनाव उन्हें जल्दबाजी में समझौता करने के लिए मजबूर नहीं करेंगे। यह संघर्ष लगभग तीन महीने पुराना है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में अशांति फैली है। मंत्रिमंडल की बैठक की शुरुआत में ट्रंप ने विश्वास व्यक्त किया कि एक समझौता करीब है। उन्होंने सप्ताहांत में कहा था कि उनके प्रशासन और तेहरान ने 'बड़े पैमाने पर बातचीत' की है। हालांकि, बातचीत अभी भी अनिश्चित स्थिति में है। अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक समझौते की तलाश में है। इससे ईरान की परमाणु क्षमता कम होने का विश्वसनीय तर्क मिलेगा। यह रिपब्लिकन के लिए राजनीतिक रूप से अलोकप्रिय संघर्ष को समाप्त करेगा। पेंटागन ने सोमवार को दक्षिणी ईरान में मिसाइल लॉन्च स्थलों और माइन बिछाने वाली नौकाओं पर 'रक्षात्मक' हमले किए थे। अमेरिका ने कहा कि उसने सप्ताह भर के युद्धविराम के बावजूद 'संयम' से काम लिया। ईरान ने इस कार्रवाई को 'बदनीयती और अविश्वसनीयता' का संकेत बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि समझौते से कई महत्वपूर्ण मुद्दे बाद के लिए टल जाएंगे। इससे रिपब्लिकन राष्ट्रपति को पहले ही कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। उनके कुछ समर्थकों ने भी आलोचना की है। उनका मानना है कि ईरान के कट्टरपंथी नेता संघर्ष से कमजोर होकर भी मजबूत होकर उभरेंगे। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अभी भी काम बाकी है। उन्होंने निश्चितता के साथ कहा कि दोनों पक्ष वहां पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, 'वे बहुत समझौता करना चाहते हैं।

महिलाओं पर किस तरह का मानसिक बोझ बढ़ रहा? अदृश्य दबाव पर इस अध्ययन में बड़ा खुलासा

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया तेजी से बदल रही है, महिलाएं नौकरी, कारोबार और हर पेशे में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन घर और परिवार की जिम्मेदारियों का मानसिक बोझ अब भी सबसे ज्यादा उन्हीं के कंधों पर है। यही वजह है कि महिलाओं में मानसिक थकावट और भावनात्मक तनाव तेजी से बढ़ रहा है। मेलबर्न यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर लिया रूपैनर के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि महिलाओं पर केवल घर के काम का दबाव नहीं है, बल्कि परिवार, रिश्तों, बच्चों और भविष्य को लेकर लगातार चलने वाली मानसिक चिंता उन्हें भीतर से थका रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह ऐसा दबाव है जो दिखाई नहीं देता, लेकिन महिलाओं की मानसिक सेहत पर गहरा असर डाल रहा है।

आखिर महिलाओं पर किस तरह का मानसिक बोझ बढ़ रहा : अध्ययन के मुताबिक अब पुरुष पहले के मुकाबले घर के कामों में ज्यादा मदद कर रहे हैं, लेकिन घर को व्यवस्थित रखने की मानसिक जिम्मेदारी अब भी महिलाओं के हिस्से में ही आती है। कौन-सा सामान खत्म हो रहा है, बच्चों की पढ़ाई कैसी चल रही है, परिवार में किसकी तबीयत खराब है, रिश्तेदारों से कब बात करनी है और भविष्य की क्या योजना बनानी है, ऐसी तमाम बातें महिलाओं के दिमाग में लगातार चलती रहती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने कहा कि घर का कोई काम खत्म हो सकता है, लेकिन मानसिक जिम्मेदारियां खत्म नहीं होतीं।

यही लगातार चलने वाला मानसिक दबाव महिलाओं को भावनात्मक रूप से थका देता है।

क्या अपराधबोध महिलाओं की परेशानी बढ़ा रहा : अध्ययन में यह भी सामने आया कि महिलाएं खुद के लिए समय निकालने में भी अपराधबोध महसूस करती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने बताया कि कई महिलाएं अपनी जरूरतों से ज्यादा परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देती हैं। शोध के दौरान कुछ महिलाओं को आर्थिक सहायता दी गई, लेकिन अधिकांश महिलाएं वह पैसा खुद पर खर्च करने से हिचक रही थीं। वे उसे परिवार के लिए इस्तेमाल करना चाहती थीं। हालांकि जब महिलाओं ने खुद पर समय और संसाधन खर्च किए तो उनके मानसिक तनाव में कमी देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं को आत्म-देखभाल और जरूरत पड़ने पर बाहरी मदद लेने को लेकर अपराधबोध छोड़ना होगा।

मानसिक दबाव किन-किन रूपों में सामने आता : अध्ययन में महिलाओं के मानसिक बोझ को आठ हिस्सों में बांटा गया है। इसमें घर की योजना बनाना, परिवार की भावनात्मक देखभाल करना, रिश्तों को संभालना और त्योहारों या खास मौकों को यादगार बनाने की जिम्मेदारी शामिल है। इसके अलावा परिवार के सपनों को पूरा करने की चिंता, खुद को फिट रखने का दबाव और परिवार की सुरक्षा को लेकर लगातार सोच भी महिलाओं पर असर डालती है। सबसे बड़ा दबाव यह होता है कि महिलाएं हमेशा यह सोचती रहती हैं कि वे परिवार और समाज के लिए पर्याप्त कर पा रही हैं या नहीं। यही लगातार चलने वाली मानसिक प्रक्रिया उन्हें भावनात्मक रूप से थका देती है।

क्या बराबरी से बदल सकती है स्थिति : विशेषज्ञों का कहना है कि जब महिलाओं को शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और फैसले लेने का अधिकार मिलता है, तब घरों में जिम्मेदारियों का बंटवारा बेहतर होता है। इससे रिश्ते भी मजबूत होते हैं और महिलाओं का मानसिक तनाव कम होता है। अध्ययन में यह भी कहा गया कि परिवारों को अब घर के अदृश्य मानसिक श्रम को समझना होगा। केवल खाना बनाना या सफाई करना ही काम नहीं है, बल्कि परिवार की हर छोटी-बड़ी चिंता को लगातार संभालना भी बड़ा मानसिक श्रम है। अगर घरों में जिम्मेदारियां बराबर बांटी जाएं तो महिलाओं की मानसिक स्थिति बेहतर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक जीवनशैली में महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारी बढ़ गई है। वे बाहर नौकरी भी कर रही हैं और घर की मानसिक जिम्मेदारियां भी निभा रही हैं। यही कारण है कि तनाव, चिंता और मानसिक थकावट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अध्ययन ने यह संकेत दिया है कि समाज को अब महिलाओं के इस अदृश्य मानसिक श्रम को गंभीरता से समझना होगा। अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो इसका असर परिवार, रिश्तों और समाज की मानसिक सेहत पर भी पड़ सकता है।

अमेरिका में नहीं इस देश में रहेंगे संक्रमित अमेरिकी, इबोला के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की नई योजना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन अब विदेशों में इबोला वायरस के संपर्क में आने वाले अमेरिकी नागरिकों को इलाज के लिए सीधे अमेरिका लाने के बजाय केन्या भेजने की योजना बना रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, केन्या में एक नया क्वारंटीन और उपचार केंद्र बनाया जाएगा, जहां इबोला संक्रमित मरीजों का इलाज किया जाएगा।

तीन विभागों की मदद से तैयार किया गया केंद्र : यह केंद्र अमेरिकी रक्षा विभाग, विदेश विभाग और स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की साझेदारी से तैयार किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि कांगो जैसे देशों में इबोला से संक्रमित लोगों को लंबी मेडिकल उड़ानों के जरिए अमेरिका लाने की जरूरत न पड़े और उन्हें जल्द इलाज मिल सके। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह केंद्र केन्या में कहां बनेगा और क्या केन्या सरकार ने इसे मंजूरी दी है। केन्या के स्वास्थ्य मंत्री एडन डुएले ने पुष्टि की कि अमेरिका और केन्या के बीच इबोला से निपटने को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि अमेरिकी मरीजों के लिए विशेष उपचार केंद्र बनाया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा कि कोई भी अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सहयोग केन्या के कानूनों और सुरक्षा मानकों के अनुसार ही होगा। विशेषज्ञों का

मानना है कि इबोला मरीजों को कम से कम यात्रा करानी चाहिए क्योंकि इससे उनकी हालत बिगड़ सकती है। लेकिन कुछ अमेरिकी डॉक्टरों ने चिंता जताई है कि केन्या में बनने वाला केंद्र अमेरिका जैसी उन्नत सुविधाएं नहीं दे पाएगा। इबोला एक बेहद खतरनाक और जानलेवा बीमारी मानी जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कांगो में इबोला का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। वहां करीब 1000 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं और 220 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका जताई गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति पहले भी इबोला संक्रमित अमेरिकियों को अमेरिका लाने का विरोध कर चुके हैं। 2014 में उन्होंने कहा था कि संक्रमित लोगों का इलाज 'वहीं' किया जाना चाहिए। अब उनकी सरकार इसी तरह की योजना पर काम कर रही है। इस बीच अमेरिका ने इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की जांच भी बढ़ा दी है। कई बड़े अमेरिकी एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। साथ ही जिन लोगों ने पिछले 21 दिनों में कांगो, युगांडा या दक्षिण सूडान की यात्रा की है, उनके अमेरिका प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी गई है।

बांग्लादेश में गहरा संकट: शेख हसीना ने ईद पर हिंसा, अर्थव्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार ऐसे समय आया है जब देश गहरे संकट और कठिनाई का सामना कर रहा है। हसीना ने बांग्लादेश के लोगों के दर्द और पीड़ा पर गंभीर चिंता व्यक्त की। अवामी लीग द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक बयान में हसीना ने ये बातें कहीं। उन्होंने बताया कि पिछले 21 महीनों से अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्रूर हत्याओं, लगातार हमलों और झूठे मामलों का सामना करना पड़ा है। कई पार्टी सदस्य अभी भी जेल में बंद हैं। उन्होंने आगे कहा, केवल हमारा राजनीतिक परिवार ही नहीं, बल्कि देश के लोग भी भारी पीड़ा सह रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने खसरा से सैकड़ों बच्चों की असामयिक मृत्यु, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा और बलात्कार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था का पतन और तबाह हुई अर्थव्यवस्था ने देश को गहरे अंधकार की ओर धकेल दिया है। अवामी लीग की चिंताएं पिछले सप्ताह अवामी लीग ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर हमलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। पार्टी ने चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की लगातार चुप्पी देश को और अधिक क्रूरता और लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा की ओर धकेल सकती है। अवामी लीग के अनुसार, जमीनी स्थिति बताती है कि पार्टी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति अब सुरक्षित नहीं है, भले ही उसने कोई गलत काम न किया हो। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा इस महीने की शुरुआत में पार्टी ने कहा था कि बांग्लादेश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक बढ़ोतरी हो रही है। अवामी लीग ने कहा कि देश भर में महिलाएं और बच्चे लगातार डर और असुरक्षा में जी रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों और घरों दोनों में सुरक्षा अनिश्चित होती जा रही है।

भारत में एआई-दुर्लभ खनिज क्षेत्र में निवेश और सहयोग करेगा कनाडा; नवंबर में दिल्ली आएगा दल

टोरंटो, एजेंसी। एआई, दुर्लभ खनिज समेत कई क्षेत्रों में सहयोग-निवेश के लिए कनाडाई कंपनियां भारत में दस्तक देंगी। कनाडा इस वर्ष नवंबर में टीम कनाडा ट्रेड मिशन भारत भेजेगा। यह एलान कनाडाई व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ किया। गोयल स्वच्छ ऊर्जा व एआई क्षेत्र में भारत के साथ साझेदारी के लिए कनाडाई निवेशकों के साथ बैठक की। उन्होंने कनाडा के कॉर्पोरेट प्रमुखों संग द्विपक्षीय कार्ययोजना भी तैयार की।

केंद्रीय मंत्री ने मैक्केन फूड्स के अध्यक्ष मैक्स कोयुने, फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमि. के अध्यक्ष-सीईओ प्रेम वात्सा, समेत विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिले। इस दौरान उन्होंने वित्तीय सेवाओं, अवसंरचना, सतत कृषि, बैंक-बीमा और दुर्लभ खनिज

प्रसंस्करण में निवेश के लिए आमंत्रित किया। कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने कहा, भारत में प्रस्तावित मिशन का लक्ष्य कनाडा की कंपनियों को भारत ले जाकर एआई, दुर्लभ खनिज, परमाणु व नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, डिजिटल अवसंरचना तथा उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशना है।

भारत-कनाडा व्यापार गलियारे की मजबूती पर चर्चा : वर्ल्ड ट्रेड सेंटर टोरंटो में कनाडा-इंडिया बिल्डिंग ब्रिजेस कार्यक्रम में गोयल ने मुख्य भाषण दिया। इसमें उन्नत विनिर्माण, औषधि एवं जैव-प्रौद्योगिकी, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, ऊर्जा तथा तेल-गैस से जुड़े 150 से अधिक व्यवसायिक प्रतिनिधियों, निवेशक समूहों और उद्योग संगठनों ने भाग लिया। ब्रैम्पटन के पियर्सन कन्वेंशन सेंटर में पीयूष गोयल ने भारत-कनाडा व्यापार गलियारे को मजबूत करने पर चर्चा की।

आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण पर फोकस: कंपनी प्रमुखों के साथ मुलाकात के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने भारतीय बाजार में कनाडाई कंपनियों के दीर्घकालिक संचालन का मूल्यांकन किया और उभरते औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में गहन भागीदारी को आमंत्रित किया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन अवसंरचना, सतत कृषि और नवाचार में सहयोग को गहरा करने पर भी अपनी बात रखी। कनिष्क स्मारक में दी श्रद्धांजलि पीयूष गोयल ने कहा, भारतीय प्रवासी समुदाय न केवल भारत के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने में, बल्कि मजबूत सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कनाडा में भारतीय व्यवसायों को बढ़ावा देने में भी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने हंबर बे पार्क स्थित कनिष्क स्मारक का दौरा किया, जहां उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों से बातचीत की और एयर इंडिया एआई 182 आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कनाडा में तिरंगे का अपमान: खालिस्तानियों ने भारतीय उच्चायुक्त का काफिला रोका, तमाशबीन बनी रही पुलिस

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की धरती पर एक बार फिर भारत विरोधी गतिविधियों ने शर्मनाक रूप ले लिया। वैंकूवर में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने घेर लिया और खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया गया। प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से जुड़ा कट्टरपंथी इंदरजीत सिंह गोसल सुरक्षा घेरा तोड़कर सीधे उच्चायुक्त की गाड़ियों के सामने पहुंच गया। उसने भारतीय ध्वज को फाड़ने और पैरों तले रौंदने की कोशिश की। आसपास मौजूद भीड़ भारत विरोधी नारे लगाती रही, जबकि कनाडाई सुरक्षा व्यवस्था तमाशबीन बनी दिखाई दी।

कार्यक्रम में जा रहे थे उच्चायुक्त : घटना उस समय हुई जब

भारतीय उच्चायुक्त एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। खालिस्तानी समर्थक पहले से वहां जमा थे और जैसे ही काफिला पहुंचा, माहौल को उग्र बना दिया गया। पुलिसकर्मी बाद में दौड़ते हुए पहुंचे, लेकिन तब तक तिरंगे का अपमान पूरी दुनिया देख चुकी थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि गोसल ने अपने इस कृत्य को सही ठहराने की कोशिश करते हुए भारतीय उच्चायुक्त पर ही जान से मारने की साजिश रचने का आरोप लगा दिया। बिना किसी प्रमाण के लगाए गए इन आरोपों को लेकर खालिस्तानी समर्थक लगातार जहर उगलते रहे।

पन्नू का करीबी है गोसल : यह वही इंदरजीत सिंह गोसल है जिसे खालिस्तानी चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू का बेहद करीबी माना जाता है। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में उसका नाम लगातार सामने आता रहा है। हिंदू मंदिरों के बाहर हिंसा, धमकी और उग्र प्रदर्शनों में भी उसका नाम जुड़ चुका है। भारत लंबे समय से कनाडा को चेतावनी देता रहा है कि वहां चरमपंथी तत्वों को खुली छूट मिल रही है। मगर हर बार अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत विरोधी ताकतों को संरक्षण मिलता दिखाई देता है। भारतीय समुदाय में इस घटना को लेकर भारी रोष है। कनाडा निवासी जोगिंदर सिंह का कहना है कि तिरंगे का अपमान केवल एक झंडे का अपमान नहीं, बल्कि पूरे भारत और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं पर हमला है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने बाद में कनाडाई संस्थाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि भारत और कनाडा के बीच सुरक्षा सहयोग मजबूत है और उनके नाम पर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों का कोई आधार नहीं है। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी चरमपंथियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और भारत विरोध को वहां राजनीतिक संरक्षण मिलता दिखाई दे रहा है।

तेहरान का नया फरमान: इंटरनेट खुला लेकिन डिजिटल आजादी अब भी बंद, युद्ध के बीच कैसे ईरान ने मीडिया पर कसा शिकंजा

तेहरान, एजेंसी। ईरान में अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी तनाव के बीच अब सूचना और इंटरनेट पर भी सख्ती बढ़ा दी गई है। ईरानी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू करते हुए साफ कर दिया है कि उनके फोटो, वीडियो और रिपोर्ट का इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या विदेशों में चल रहे फारसी चैनल नहीं कर सकेंगे। दूसरी तरफ महीनों बाद इंटरनेट सेवाएं आंशिक रूप से बहाल तो हुई हैं, लेकिन आम लोगों को अब भी धीमी स्पीड, भारी सेंसरशिप और सोशल मीडिया प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि युद्ध और राजनीतिक तनाव के बीच ईरान सूचना पर अपना नियंत्रण और मजबूत कर रहा है।

क्या हैं ईरान के नए मीडिया प्रतिबंध : ईरान के संस्कृति और इस्लामिक मार्गदर्शन मंत्रालय ने तेहरान में काम कर रहे कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को नया निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईरान से भेजी जाने वाली हर फोटो, वीडियो, रिपोर्ट और मीडिया सामग्री के साथ यह चेतावनी लिखना जरूरी होगा कि उसका इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या ईरान के बाहर चलने वाले फारसी टीवी चैनल नहीं कर सकते। ईरान पहले से ही बीबीसी फारसी, वीओए फारसी, मनोटो टीवी और ईरान इंटरनेशनल जैसे चैनलों पर सख्त रोक लगाए हुए है। सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध की स्थिति को देखते हुए यह कदम जरूरी है। इंटरनेट बहाल हुआ, लेकिन क्या सच में सामान्य हुई स्थिति ईरान में जनवरी से शुरू हुआ इंटरनेट प्रतिबंध दुनिया के सबसे लंबे राष्ट्रीय इंटरनेट शटडाउन में से एक माना जा रहा है। अब सरकार ने कुछ क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं बहाल की हैं, लेकिन स्थिति अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। कई लोगों ने शिकायत की कि इंटरनेट बेहद धीमा चल रहा है और यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर भारी पाबंदियां बनी हुई हैं। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्थाओं के अनुसार ईरान की इंटरनेट क्षमता अभी भी पहले की तुलना में काफी कम है। डेटा ट्रैफिक भी सामान्य स्तर तक नहीं पहुंचा है। लोगों को डर है कि सरकार कभी भी दोबारा इंटरनेट बंद कर सकती है।

आम लोगों और कारोबार पर कितना पड़ा असर : लंबे इंटरनेट शटडाउन ने ईरान की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डाला है। ऑनलाइन काम करने वाले लाखों लोगों की कमाई लगभग बंद हो गई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, गेमर, छोटे कारोबारी और डिजिटल सेवाओं से जुड़े लोग आर्थिक संकट में पहुंच गए। कई लोगों को अपना सामान बेचना पड़ा या दूसरे काम तलाशने पड़े। इंटरनेट बंद होने से परिवारों का संपर्क भी टूट गया। विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से महीनों तक बात नहीं हो सकी। सरकार की पाबंदियों के दौरान वीपीएन की कीमतें भी कई गुना बढ़ गई थीं, जिससे आम लोग खुले इंटरनेट तक पहुंच नहीं बना सके। ईरानी सरकार ने इंटरनेट बंदी और मीडिया नियंत्रण को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर सही ठहराया। अधिकारियों का कहना था कि अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद सैन्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए यह जरूरी था। हालांकि आलोचकों का आरोप है।

गाजा में इस्राइल का बड़ा हमला, हमास के दो बड़े कमांडर ढेर; नए सैन्य प्रमुख को भी मार गिराने का दावा

गाजा पट्टी, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच इस्राइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान चलाते हुए दो वरिष्ठ आतंकियों को मार गिराने का दावा किया है। इस्राइली सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा में किए गए हवाई हमलों में हमास के बड़े ऑपरेटिव निशाने पर थे। वहीं दूसरी ओर गाजा में आम नागरिकों के हताहत होने की खबरों ने एक बार फिर पूरे इलाके में तनाव बढ़ा दिया है। लगातार हो रहे हमलों और जवाबी कार्रवाई के बीच युद्ध और ज्यादा खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है।

क्या हमास के नए सैन्य प्रमुख को मार गिराने का दावा किया गया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ ने दावा किया है कि उसने गाजा में हमास की सैन्य शाखा के नए प्रमुख मोहम्मद ओदेह को मार गिराया है। इस्राइल के अनुसार ओदेह सात अक्टूबर 2023 के हमले की साजिश रचने वालों में शामिल था। इस्राइल का कहना है कि वह हमास के खुफिया नेटवर्क का प्रमुख भी रह चुका था और हाल ही में उसे संगठन की सैन्य कमान सौंपी गई थी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि सात अक्टूबर के हमले में शामिल हर व्यक्ति को खत्म किया जाएगा। इस कार्रवाई को प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के निर्देश पर अंजाम दिया गया।

गाजा में आम लोगों पर हमलों से क्या हालात बने : जहां इस्राइल हमास पर बड़े हमलों का दावा कर रहा है, वहीं गाजा में आम लोगों की मौतों की खबरें भी लगातार सामने आ रही हैं। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसायटी के मुताबिक, मध्य गाजा शहर में एक रिहायशी मकान पर हुए हवाई हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हुए हैं। गाजा के कई इलाकों में लगातार बमबारी के कारण लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचने में भारी परेशानी हो रही है। अस्पतालों पर दबाव

बढ़ता जा रहा है और राहत सामग्री की कमी भी गंभीर चिंता बन चुकी है।

क्या लेबनान में भी बढ़ा इस्राइली हमला : आईडीएफ ने यह भी दावा किया है कि उसने पूरे दिन लेबनान में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए। इस्राइल के अनुसार हिजबुल्लाह के सैन्य ढांचे, कमांड सेंटर और लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया गया। सेना ने कहा कि सिर्फ इस सप्ताह के दौरान हिजबुल्लाह के 550 ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। लेबनान सीमा पर लगातार बढ़ रही सैन्य गतिविधियों ने पूरे पश्चिम एशिया में नए संघर्ष का खतरा और बढ़ा दिया है। हिजबुल्लाह भी लगातार इस्राइल पर जवाबी हमले करने का दावा कर रहा है।

सात अक्तूबर के हमले को लेकर क्यों सख्त है इस्राइल : इस्राइल अब भी सात अक्टूबर 2023 के हमले को अपनी सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती मान रहा है। हमास के उस हमले में बड़ी संख्या में इस्राइली नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई थी। इसके बाद से इस्राइल लगातार गाजा में सैन्य कार्रवाई चला रहा है। इस्राइल का कहना है कि जब तक हमास की सैन्य ताकत पूरी तरह खत्म नहीं हो जाती, तब तक अभियान जारी रहेगा। दूसरी ओर फलस्तीन में लगातार बढ़ती तबाही और नागरिकों की मौतों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता गहराती जा रही है। गाजा और लेबनान में तेज हुए हमलों के बाद पूरे पश्चिम एशिया में हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच पहले से जारी तनाव के बीच यह संघर्ष अब और बड़े क्षेत्रीय संकट में बदलता दिखाई दे रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य, तेल आपूर्ति और सुरक्षा को लेकर दुनिया की चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जल्द युद्धविराम की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए।

संक्षिप्त डायरी

सीवान में आंधी-बारिश में थमी ट्रेनों की रफ्तार, कई ट्रेनों का परिचालन बाधित

पटना (एजेंसी) सीवान में शुक्रवार सुबह आई तेज आंधी और बारिश ने रेल परिचालन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया. गोरखपुर-सीवान रेलखंड के गौरी बाजार के पास रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरने से ओएचई वायर टूट गया, जिसके बाद कई ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया. अचानक हुए इस घटनाक्रम से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. कई ट्रेनों का बदला गया रूट रेल प्रशासन के अनुसार तकनीकी बाधा उत्पन्न होने के बाद कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को डायवर्ट करना पड़ा. 15708 आम्रपाली एक्सप्रेस, 15652 लोहित एक्सप्रेस, 02570 नई दिल्ली-दरभंगा स्पेशल और 02564 नई दिल्ली-बरौनी स्पेशल को कप्तानगंज-थावे होते हुए सीवान मार्ग से चलाया गया. घंटों अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ी रहीं ट्रेनें तेज आंधी और ओएचई वायर टूटने के कारण कई ट्रेनों को रास्ते में ही रोकना पड़ा. 15028 मौर्य एक्सप्रेस करीब साढ़े तीन घंटे विलंब से चली, जबकि गोरखपुर-छपरा सवारी गाड़ी करीब डेढ़ घंटे लेट रही. इसके अलावा 15034 पाटलिपुत्र एक्सप्रेस और 15566 वैशाली एक्सप्रेस भी लगभग एक घंटे की देरी से रवाना हुई. रेल प्रशासन ने शुरू कराया मरम्मत कार्य आंधी थमने के बाद रेल अधिकारियों ने ट्रैक और ओएचई लाइन की जांच शुरू कर दी. रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य में जुट गई है. अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही क्षतिग्रस्त वायर को ठीक कर रेल परिचालन सामान्य कर दिया जाएगा. ट्रेनों के लेट होने और रूट बदलने से यात्रियों को घंटों स्टेशन पर इंतजार करना पड़ा. कई यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. मौसम की खराबी के कारण पूरे दिन रेल परिचालन प्रभावित रहा.

गोपालगंज में बड़ा हादसा: नाव पलटी, तीन किशोरियां नदी में डूबीं

पटना (एजेंसी) डुमरिया घाट पर मूंग तोड़ने जा रही थीं लड़कियां, नाव पलटी, तीन किशोरियां नदी में डूबीं, स्थानीय गोताखोरों ने शुरू की तलाश, एसडीआरएफ टीम का इंतजार झमाझम बारिश और तेज हवा के बीच महमदपुर थाना क्षेत्र के गंडक नदी स्थित डुमरिया घाट पर नाव पलटने से तीन किशोरियां नदी में डूब गईं. तेज बारिश और आंधी के कारण कई घंटों तक रेस्क्यू अभियान शुरू नहीं हो सका. बाद में स्थानीय गोताखोरों की मदद से लापता किशोरियों की तलाश शुरू की गई. समाचार लिखे जाने तक तीनों का कोई सुराग नहीं मिल सका था. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि डुमरिया के टडसपुर गांव निवासी चंदन यादव की सात वर्षीय पुत्री कृति एवं नौ वर्षीय पुत्री रिया तथा मजीस्टर यादव की आठ वर्षीय पुत्री अनन्या अपनी दादी और एक अन्य बहन के साथ गंडक नदी के बीच खाली जमीन पर की गई मूंग की खेती में मूंग तोड़ने जा रही थीं. तेज हवा में अचानक पलट गई नाव शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे अचानक तेज हवा और बारिश शुरू हो गई. इसी दौरान नाव असंतुलित होकर पलट गई. नाव पलटने के बाद बच्चों की दादी, एक अन्य बहन तथा नाविक किसी तरह तैरकर बाहर निकल आए, लेकिन तीनों किशोरियां नदी की गहराई में समा गईं. घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तत्काल महमदपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार को घटना की जानकारी दी. इसके बाद प्रशासन की ओर से एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया. घंटों बाद शुरू हो सका रेस्क्यू तेज आंधी और बारिश के कारण लंबे समय तक बचाव कार्य शुरू नहीं हो सका. मौसम सामान्य होने के बाद स्थानीय गोताखोरों ने साहस दिखाते हुए नदी में उतरकर तलाश अभियान शुरू किया. घटना के बाद नदी घाट पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई है. परिजन गहरे सदमे में हैं, जबकि ग्रामीण लगातार तीनों किशोरियों के सकुशल मिलने की दुआ कर रहे हैं.

सिंगापुर जायेंगे लालू प्रसाद, कोर्ट से मिला परमिशन, 2022 में हुआ था किडनी ट्रांसप्लांट

पटना (एजेंसी) आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद आज सिंगापुर रवाना हो सकते हैं. कोर्ट से परमिशन मिलने के बाद वह रूटीन मेडिकल चेकअप के लिए जायेंगे. 2022 के दिसंबर में लालू प्रसाद का किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था. राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद सिंगापुर जाने वाले हैं. बताया जा रहा है कि लालू प्रसाद आज (शुक्रवार) ही सिंगापुर जा सकते हैं. सिंगापुर में लालू प्रसाद का पोस्ट किडनी ट्रांसप्लांट हेल्थ चेकअप और अन्य जरूरी मेडिकल जांच होगी. दिल्ली की कोर्ट से परमिशन मिलने के बाद लालू प्रसाद अब विदेश जा सकते हैं. ऐसे में रूटीन चेकअप के लिए वे सिंगापुर जायेंगे. हर तीन महीने में रूटीन चेकअप की मिली थी सलाह जानकारी के मुताबिक, सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एके तिवारी की अदालत ने पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश दिया था. इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी यह बताया था कि डॉक्टर ने किडनी ट्रांसप्लांट के बाद उन्हें हर तीन महीने में रूटीन चेकअप की सलाह दी थी. करीब एक साल से जांच रुकी हुई थी. साथ ही लालू प्रसाद के आंख में भी परेशानी है. पिछली बार उनका ऑपरेशन भी हुआ था, जिसका भी इलाज हो सकता है. 2022 में लालू प्रसाद का हुआ था किडनी ट्रांसप्लांट दिसंबर 2022 में लालू प्रसाद का किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था. लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने उन्हें किडनी दिया था. लालू प्रसाद चारा घोटाला मामले में सजायाफ्ता हैं, लेकिन वह जमानत पर बाहर हैं. ऐसे में कोर्ट से उन्हें विदेश जानी की अनुमति मिल गई है. 27 मई को उन्होंने अपने पोते इराज का पहला जन्मदिन गाजियाबाद के रागिनी विला में धूमधाम से सेलिब्रेट किया था. रोहिणी आचार्य को मनाने की चर्चा तेज लालू प्रसाद के सिंगापुर जाने को लेकर चर्चा यह भी हो रही है कि वे अपनी बेटी रोहिणी आचार्य को मना सकते हैं. 27 मई को इराज के जन्मदिन पर माना जा रहा था कि तेज प्रताप यादव के साथ रोहिणी आचार्य भी शामिल होंगी. लेकिन उस पार्टी में तेज प्रताप तो पहुंचे लेकिन रोहिणी आचार्य नहीं शामिल हुईं थीं. ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि लालू प्रसाद सिंगापुर जाने के बाद अपनी बेटी रोहिणी आचार्य को मना सकते हैं.

बिहार में स्टार्टअप्स को 4.41 करोड़ की मदद, युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

पटना (एजेंसी) स्टार्टअप बिहार पहल के तहत 77 स्टार्टअप्स को 4.41 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की अनुशंसा की गई है. सरकार का कहना है कि इससे राज्य में नवाचार, रोजगार और युवा उद्यमिता को नई रफ्तार मिलेगी.
बिहार में स्टार्टअप कल्चर को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है. राज्य सरकार की स्टार्टअप बिहार पहल के तहत 77 स्टार्टअप्स को कुल 4.41 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने की अनुशंसा की गई है. इससे राज्य में नवाचार, रोजगार और उद्यमिता को नया बल मिलने की उम्मीद है. पटना में हुआ पिचिंग राउंड 20 से 25 मई के बीच विकास भवन, पटना में पर्सनल इंटरैक्शन मीटिंग यानी पिचिंग राउंड आयोजित किया गया. इसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े स्टार्टअप्स ने अपने आइडिया और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए. उद्योग विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रक्रिया के बाद 77 स्टार्टअप्स को अलग-अलग वित्तीय सहायता योजनाओं के लिए चुना गया. 26 स्टार्टअप्स को पहली किस्त की मंजूरी रिपोर्ट के मुताबिक 26 स्टार्टअप्स को पहली किस्त के रूप में चार-चार लाख रुपये की सहायता देने की अनुशंसा की गई है. वहीं 46 स्टार्टअप्स को दूसरी किस्त के तहत छह-छह लाख रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी चार स्टार्टअप्स को मिलेगा पोस्ट-सीड फंड राज्य सरकार ने चार स्टार्टअप्स को पोस्ट-सीड फंड सपोर्ट योजना के तहत चुना है. इन स्टार्टअप्स को 15-15 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी. इसके अलावा एक स्टार्टअप को पेटेंट के लिए आईपीआर यानी इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स प्रतिपूर्ति का लाभ देने की भी अनुशंसा की गई है. सिर्फ फंड नहीं, पूरा सपोर्ट सिस्टम स्टार्टअप बिहार के तहत उद्यमियों को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी जा रही है. सरकार की ओर से मेंटरशिप, इन्क्यूबेशन, आधारभूत सुविधाएं और इनोवेशन आधारित इकोसिस्टम का भी समर्थन दिया जा रहा है. सरकार का उद्देश्य युवाओं को नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला उद्यमी बनाना है. बिहार बन रहा उभरता स्टार्टअप हब पिछले कुछ वर्षों में बिहार में स्टार्टअप्स की संख्या लगातार बढ़ी है. निवेशकों की रुचि भी राज्य की ओर तेजी से बढ़ रही है. उद्योग विभाग का मानना है कि मजबूत नीतियों, संस्थागत सहयोग और युवाओं की भागीदारी की वजह से बिहार अब देश के उभरते स्टार्टअप हब के रूप में अपनी पहचान बना रहा है. बिहार है तैयार अभियान को मिल रही मजबूती राज्य सरकार बिहार है तैयार अभियान के तहत उद्योग, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने पर लगातार काम कर रही है. सरकार का दावा है कि आने वाले समय में बिहार स्टार्टअप और इनोवेशन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा.

कैमूर के कुल्हड़िया धाम के महंत पर जानलेवा हमला, गंभीर रूप से घायल; वारदात के बाद आरोपी फरार

पटना (एजेंसी) कैमूर जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र अंतर्गत कुल्हड़िया स्थित कुलेश्वरी देवी धाम में शुक्रवार की अहले सुबह महंत ललन गिरी पर एक व्यक्ति ने टांगी से हमला कर दिया. हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि आरोपी घटना के बाद फरार हो गया. कैमूर के दुर्गावती थाना क्षेत्र में स्थित शक्ति पीठ कुलेश्वरी देवी धाम कुल्हड़िया में शुक्रवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब मंदिर के महंत ललन गिरी पर जानलेवा हमला कर दिया गया. जानकारी के अनुसार, लगभग 62 वर्षीय महंत ललन गिरी सुबह मंदिर परिसर के पास दातुन कर रहे थे, तभी एक व्यक्ति बोरे में छिपाकर लाई गई टांगी लेकर वहां पहुंचा और अचानक उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. सिर, जांघ और बांह पर गंभीर चोटें हमले में महंत ललन गिरी के सिर, जांघ और बांह पर गंभीर चोटें आई हैं. घटना के बाद मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग मौके पर जुट गए. परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल महंत को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. डॉक्टरों ने बताया कि स्थिति गंभीर, इलाज जारी इलाज कर रहे चिकित्सकों के अनुसार घायल को गहरे जख्म आए हैं. प्राथमिक उपचार के बाद उनका एक्स-रे किया गया है, जिसके आधार पर आगे की स्थिति का आकलन किया जाएगा. डॉक्टरों ने बताया कि फिलहाल उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है. हमलावर फरार, पहचान की पुष्टि घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया। हालांकि, प्राथमिक जानकारी के आधार पर उसकी पहचान कर ली गई है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और हमले के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है. इलाके में दहशत का माहौल इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल है. मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में लोगों की भीड़ जुट गई. स्थानीय लोग इस तरह की घटना से आक्रोशित हैं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं. देवी धाम कुल्हड़िया में हुए इस जानलेवा हमले ने धार्मिक स्थल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. पुलिस जांच के बाद ही हमले के वास्तविक कारण और पूरी साजिश का खुलासा हो सकेगा

फुलवारी शरीफ : बकरी चराने गई दो मासूम बच्चियों पर गिरा ठनका, मौके पर ही मौत

पटना (एजेंसी) मृतक बच्चियों की पहचान सकरैचा गांव निवासी गोपाली पासवान की 12 वर्षीय पुत्री शिमरन कुमारी और रिपु पासवान की 10 वर्षीय पुत्री स्वीटी कुमारी के रूप में की गई है. (अजीत कुमार) पटना के फुलवारी प्रखंड अंतर्गत सकरैचा गांव में शुक्रवार सुबह एक बेहद दर्दनाक और हृदयविदारक हादसा सामने आया है. सुबह करीब 8:00 बजे अचानक बदले मौसम के बीच आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने से बकरी चराने गई दो मासूम बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गई. इस भयावह घटना की खबर जैसे ही गांव में फैली, पूरे इलाके में कोहराम मच गया. मृत बच्चियों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है. आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तोड़ा दम मृतक बच्चियों की पहचान सकरैचा गांव निवासी गोपाली पासवान की 12 वर्षीय पुत्री शिमरन कुमारी और रिपु पासवान की 10 वर्षीय पुत्री स्वीटी कुमारी के रूप में की गई है. ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की सुबह दोनों बच्चियां रोज की तरह घर के पास ही मैदान में बकरी चराने गई थीं. इसी बीच अचानक आसमान में काले बादल घिर आए और मौसम खराब हो गया. इससे पहले कि बच्चियां संभल पातीं या किसी सुरक्षित स्थान पर छिप पातीं, तेज गर्जना के साथ उनके ऊपर काल बनकर ठनका गिर गया. वज्रपात की तीव्रता इतनी अधिक थी कि दोनों बच्चियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया. दो मासूम जिंदगियों के इस तरह अचानक चले जाने से हर आंख नम थी. घटना की जानकारी मिलते पर भाकपा माले के प्रखंड सचिव गुरुदेव रविदास पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे. उन्होंने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दो मासूम बच्चियों की असमय मौत से पूरा क्षेत्र स्तब्ध है. मुआवजे की मांग गुरुदेव रविदास ने पटना जिला प्रशासन से मांग की है

कड़ी सुरक्षा के बीच सासाराम में सशक्त स्थायी समिति का चुनाव संपन्न, एसडीएम ने संभाली कमान

पटना (एजेंसी) रोहतास के सासाराम प्रखंड स्थित सद्भावना भवन में सशक्त स्थायी समिति का चुनाव कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ. चुनाव प्रक्रिया सदर एसडीएम डॉ. नेहा कुमारी की निगरानी में पूरी की गई. :(डॉ प्रमोद कुमार श्रीवास्तव) रोहतास जिले के सासाराम प्रखंड स्थित सद्भावना भवन में शुक्रवार को सशक्त स्थायी समिति के चुनाव को लेकर सुबह से ही हलचल तेज रही. विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे जनप्रतिनिधियों और उनके समर्थकों की मौजूदगी से प्रखंड कार्यालय परिसर में गहमागहमी का माहौल बना रहा. चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। परिसर में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी. एसडीएम की निगरानी में पूरी हुई चुनाव प्रक्रिया चुनाव प्रक्रिया सदर एसडीएम डॉ. नेहा कुमारी की देखरेख में शुरू हुई. अधिकारियों की उपस्थिति में सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए मतदान और निर्वाचन की कार्रवाई पूरी की गई. जानकारी के अनुसार, सशक्त स्थायी समिति के तीन पदों के लिए निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ. निर्विरोध चुने गए प्रतिनिधियों के समर्थकों में खुशी का माहौल देखा गया. शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ पूरा कार्यक्रम चुनाव समाप्त होने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सफल बताया. अधिकारियों के अनुसार चुनाव प्रक्रिया के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली. प्रखंड कार्यालय परिसर में अंत तक सुरक्षा व्यवस्था कायम रही और प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया. समर्थकों में खुशी का माहौल निर्विरोध निर्वाचन के बाद विजयी प्रतिनिधियों के समर्थकों में उत्साह और खुशी देखी गई. समर्थकों ने एक-दूसरे को बधाई दी और शांतिपूर्ण तरीके से खुशी जाहिर की. सासाराम प्रखंड में सशक्त स्थायी समिति का चुनाव प्रशासनिक सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ. शांतिपूर्ण चुनाव ने प्रशासन की तैयारी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग को भी दर्शाया.

प्रयागराज : गौवंश संरक्षण को आधुनिक तकनीक और जनसहभागिता पर विशेष जोर

प्रयागराज (एजेंसी)। गौवंश संरक्षण और गौ आश्रय स्थलों को सुदृढ़ बनाने के लिए पशुपालन विभाग द्वारा व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है. इस योजना के तहत गौआश्रय स्थलों की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने, विभागीय समन्वय बढ़ाने, जनसहभागिता सुनिश्चित करने और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष बल दिया जा रहा है. यह जानकारी देते हुए गुरुवार को मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. शिवनाथ यादव ने बताया कि गौवंश संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं बल्कि सामाजिक सहभागिता का भी विषय है. उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप गौआश्रय स्थलों को बेहतर सुविधाओं से युक्त बनाया जा रहा है ताकि गौवंश को सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण मिल सके. उन्होंने बताया कि गौआश्रय स्थलों में अतिरिक्त शेड निर्माण, हरे चारे एवं चारा कटाई मशीनों की व्यवस्था, गोबर एवं अपशिष्ट प्रबंधन, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था तथा अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही पशुओं के लिए स्वच्छ पेयजल और नियमित स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था भी प्राथमिकता पर है. डॉ. यादव ने कहा कि पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, सिंचाई विभाग, पंचायती राज विभाग और राजस्व विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर गो संरक्षण कार्यों को प्रभावी बनाया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा चारा उत्पादन और गोचर भूमि की उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है. उन्होंने बताया कि जनसहभागिता बढ़ाने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं, स्थानीय किसानों और सामाजिक संगठनों को भी अभियान से जोड़ा जा रहा है। सीएसआर के माध्यम से चारा एवं जल व्यवस्था तथा दान आधारित भूसा संग्रह अभियान भी चलाए जा रहे हैं. मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत बेसहारा गौवंश की पहचान, सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरण, मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों की तैनाती और जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। उन्होंने बताया कि गौसंरक्षण कार्यों में आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जा रहा है। जीपीएस और जीआईएस आधारित गोचर भूमि प्रबंधन, मोबाइल चारा बैंक, हाइड्रोपोनिक ग्रीन फोडर यूनिट, बायोगैस एवं जैविक खाद इकाइयों तथा सोलर ऊर्जा आधारित जल पंप जैसी व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं।

अमेठी में अमन और भाईचारे के साथ संपन्न हुई बकरीद

अमेठी (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद में बकरीद (ईद-उल-अजहा) का पर्व इस वर्ष पूरी शांति, सौहार्द और भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ। जिले की सभी 112 ईदगाहों और प्रमुख मस्जिदों में सुबह से ही नमाज अदा करने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। नमाज के दौरान लोगों ने मुल्क में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे का संदेश दिया। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की क्यूआरटी टीम के साथ पीएसी भी लगाई गई। बकरीद के त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर दिखाई दिया। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी के नेतृत्व में पूरे जिले में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए थे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए, जनपद को 4 जोन और 17 सेक्टर में विभाजित कर अधिकारियों और पुलिस बल की तैनाती की गई थी। संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती गई। प्रमुख बाजारों, ईदगाहों और मस्जिदों के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। जिले के पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने बताया कि शासन की गाइडलाइन्स के अनुरूप खुले में कुर्बानी और सार्वजनिक स्थानों तथा सड़कों पर नमाज अदा करने पर पूरी तरह रोक रही। लोगों ने भी प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पूरी जिम्मेदारी और सहयोग के साथ पालन किया। त्योहार के दौरान जिले में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। प्रशासनिक अधिकारियों ने जनपदवासियों, धर्मगुरुओं और सामाजिक संगठनों के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि आपसी भाईचारा और सामाजिक सौहार्द ही अमेठी की सबसे बड़ी पहचान है। इसी के साथ ही साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी विशेष नजर रखी जा रही है।

अमन-चैन और भाईचारे की दुआओं के साथ बड़ी ईदगाह में अदा हुई बकरीद की नमाज

कानपुर (एजेंसी) बेनाझाबर स्थित बड़ी ईदगाह में गुरुवार सुबह ईद-उल-अजहा की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई। सुबह से ही नमाजियों का ईदगाह पहुंचना शुरू हो गया था और देखते ही देखते पूरा परिसर लोगों से भर गया। करीब एक लाख लोगों ने एक साथ नमाज अदा कर मुल्क में अमन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी। शहर काजी और धर्मगुरुओं की अपील पर सभी लोगों ने ईदगाह परिसर के भीतर ही नमाज पढ़ी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी। त्योहार को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। ईदगाह और आसपास के इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। आरएएफ की टीम भी मौके पर मौजूद रही। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए चार ड्रोन कैमरे लगाए गए थे, जिनकी मॉनिटरिंग के लिए अलग से कंट्रोल रूम बनाया गया था। अधिकारी लगातार हर गतिविधि पर नजर बनाए रहे। नमाज के बाद जिला अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने लोगों को बकरीद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से सभी व्यवस्थाएं पहले से पूरी कर ली गई थीं। बिजली, पेयजल और साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है। तीन दिन तक चलने वाले त्योहार को देखते हुए संबंधित विभागों को जरूरी निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए थे। ईदगाह में बनाए गए प्रशासनिक कैंप में पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल, एडिशनल पुलिस कमिश्नर डॉ. विपिन टाडा और सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी भी मौजूद रहे।

टोल से गुजर रहे बिना नंबर प्लेट ओवरलोड वाहनों पर एनएचएआई ने बैठाई जांच, तलब होंगे सीसीटीवी फुटेज

झांसी (एजेंसी) अमर उजाला में खबर प्रकाशित होने के बाद अब एनएचएआई के परियोजना निदेशक ने बबीना समेत जिले के सभी टोल प्लाजा की जांच शुरू करा दी है। बताया गया है कि सभी टोल प्लाजा के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तलब की जाएगी। अवैध खनन कर रेत से भरी गाड़ियां बृहस्पतिवार को भी बिना नंबर प्लेट के खुलेआम बबीना टोल प्लाजा से गुजरती रहीं। अमर उजाला में खबर प्रकाशित होने के बाद अब एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के परियोजना निदेशक ने बबीना समेत जिले के सभी टोल प्लाजा की जांच शुरू करा दी है। बताया गया है कि सभी टोल प्लाजा के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तलब की जाएगी। जिस भी टोल प्लाजा से बिना नंबर प्लेट डंपर गुजरता मिला, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। बुंदेलखंड की नदियों का सीना छलनी कर वैध बालू घाटों की आड़ में अवैध खनन का धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। नियमों को ताक पर रखकर नदियों में पोकलैंड व पनडुब्बी मशीनों का इस्तेमाल कर रेत निकाली जा रही है। जिला प्रशासन ने अवैध खनन पर पाबंदी लगाने का दावा करते हुए संबंधित विभागों को सख्त कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। बावजूद इसके अवैध खनन के सिंडिकेट के आगे प्रशासन के दावे भी हवा हो गए। हालात यह है कि नेशनल हाइवे पर बने टोल प्लाजा से जहां बिना फास्टैग लगे वाहनों का निकलना मुश्किल बना हुआ है। उन्हीं टोल प्लाजा पर बिना नंबर के रेत से भरे ओवरलोड वाहन दिन भर बेखौफ होकर निकल रहे हैं। यह मामला एनएचएआई के परियोजना निदेशक मनोज कुमार ने संज्ञान लेकर बबीना टोल समेत अन्य सभी टोल प्लाजा की क्रियाकलापों की जांच शुरू कर दी है। इसको लेकर सभी टोल प्लाजाओं के पिछले एक माह के सीसीटीवी फुटेज तलब किए जाएंगे। साथ ही टोल पर लगी वेइंग मशीनों की जांच कराई जाएगी। 34 वाहन सीज किए, 1765 का काटा चालानः एसपी सिटी नोडल अधिकारी यातायात और एसपी सिटी प्रीति सिंह ने बताया कि पूरे जनपद में अवैध खनन व ओवरलोड सहित यातायात उल्लंघन करने वाले वाहनों पर पुलिस व यातायात पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। 25 और 26 मई को गलत नंबर प्लेट, बिना नंबर प्लेट सहित नंबर प्लेट छिपाकर चल रहे वाहन के साथ ही अवैध खनिज 16 ट्रक व डंपर समेत 34 वाहनों को सीज किया है। इसके अलावा यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 1765 वाहनों का चालान कर 1807000 रुपये का शमन शुल्क लगाया है। टॉस्क फोर्स गठित कर की जा रही कार्रवाई: एआरटीओ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सुजीत सिंह ने बताया कि अवैध खनन के अलावा ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग की टॉस्क फोर्स लगातार कार्रवाई कर रही है। गुरसराय, मोंठ सहित अन्य हाईवे पर जांच कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन के साथ भी मिलकर कार्रवाई चल रही है।

जल्द ही बड़े पर्दे पर डांस का जलवा दिखाएंगे अहान

अहान पांडे की रोमांटिक ड्रामा हिट फिल्म 'सैयारा' के बाद से ही फैंस उनकी आगामी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अहान जल्द ही पहली बार बड़े पर्दे पर एक अलग तरह के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे।

अहान पांडे ने अपनी पहली ही फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में एक रोमांटिक हीरो के रूप में अपनी खास पहचान बना ली है। आज की युवा पीढ़ी उनकी दीवानी हो चुकी है। इस फिल्म से पहले अहान का एक वेडिंग डांस वीडियो यूट्यूब पर काफी वायरल हुआ था, जिसे 46 मिलियन (4.6 करोड़) से ज्यादा बार देखा गया। इस वीडियो में वह अलाना पांडे की शादी में अनन्या पांडे के साथ 'सात समुंदर पार' और अकेले 'आई एम द बेस्ट' गाने पर नाचते हुए दिखे थे। फैंस को उम्मीद थी कि निर्देशक मोहित सूरी अपनी फिल्म 'सैयारा' में अहान का कोई डांस नंबर रखेंगे, लेकिन फिल्म की कहानी के कारण ऐसा नहीं हो सका। लेकिन अब फैंस की यह ख्वाहिश जल्द ही पूरी हो सकता है। अहान के फैंस का इंतजार अब खत्म होने वाला है। इस समय वे निर्देशक अली अब्बास जफर की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री शरवरी भी हैं। इस फिल्म में अहान का पहला ऑन-स्क्रीन डांस नंबर होने जा रहा है। इस गाने की शूटिंग यूके के मैनचेस्टर शहर में होगी। गाने को फिल्माने के लिए 4 दिनों का समय तय किया गया है। अहान इसमें पुराने दिग्गज सितारों की तरह क्लासिक बॉलीवुड अंदाज में नाचते और गाते हुए नजर आएंगे। अहान शूटिंग के बचे हुए दिनों में अपने डांस स्टेप्स को और बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यश राज फिल्म्स इस गाने के लिए देश के एक बड़े कोरियोग्राफर को चुनने की तैयारी में है। मेकर्स का मकसद एक ऐसा गाना बनाना है, जिसके डांस स्टेप्स हर कोई कॉपी करना चाहे और जो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए।

सोनाक्षी सिन्हा ने रिवर्स नेपोटिज्म पर की बात

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सिस्टम' को लेकर चर्चाओ में हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है, जिसमें सोनाक्षी एक वकील के किरदार में नजर आएंगी। सोनाक्षी ने इससे पहले फिल्म और अपने किरदार को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इसमें रिवर्स नेपोटिज्म पर कमेंट भी है।

संघर्ष कर रही महिलाओं से प्रेरित है किरदार

सोनाक्षी ने फिल्म को लेकर कहा कि फिल्म में कई ऐसे मुद्दों को उठाया गया है, जिनके बारे में हम शायद सोचते भी नहीं। ये वास्तविक लोगों, वास्तविक घटनाओं और हमारे आसपास घटने वाली चीजों से प्रेरित है। कई जगहों पर फिल्म आपको सोचने पर मजबूर कर देती है। कोई भी फिल्म जो आपको सोचने पर मजबूर कर दे, वह अच्छी फिल्म होती है। अपने किरदार नेहा राजवंश को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि वह अपने पेशे की वजह से नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व की वजह से लोगों से जुड़ाव महसूस कराता है। वह कई खामियों से भरी, बहुआयामी और अपनी गलतियों से जूझने वाली महिला है, जिसके अपने अंदरूनी संघर्ष हैं। ये सभी बातें मुझसे और निश्चित रूप से उन कई और महिलाओं से भी जुड़ी हुई हैं, जो खुद को साबित करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जिन्हें आसानी से सफलता नहीं मिलती।

फिल्म में सोनाक्षी का किरदार नेहा वकीलों के परिवार से आता है। उसके पिता देश के बड़े डिफेंस लॉयर में से एक हैं। लेकिन वो चाहते हैं कि उनकी बेटी फैमिली बिजनेस में शामिल होने से पहले एक वीकल के रूप में काम करके खुद को साबित करे। इस बात पर नेहा अपने पिता से पूछती है, 'यह किस तरह का रिवर्स नेपोटिज्म है?' फिल्म की इस लाइन और कहानी को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि यह कहानी कुछ हद तक मेरी अपनी जिंदगी से मिलती-जुलती है। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है। मेरे पिता हमेशा मुझसे कहते रहे हैं, 'तुम्हें खुद को साबित करना होगा।' क्योंकि वो खुद भी ऐसे ही थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम कौन हो; जीवन में आगे बढ़ने के लिए तुम्हें खुद को साबित करना होगा। इसी तरह तुम्हें वह मिलता है, जिसके तुम हकदार हो। इसलिए यह बात भी मेरे लिए बहुत मायने रखती है।

पैन-इंडिया की पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी हैं और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना नाम बना रही हैं। सई का मानना है कि भले ही उनके पिता इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन आने वाले समय में केवल अनुशासन, काम के प्रति लगन और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता की पूंजी होगी। अपनी यात्रा को लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'मैं हमेशा से अपने फिल्मी बैकग्राउंड के आराम से बाहर निकलकर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी। मेरे लिए, विकास लगातार सीखने, अपने काम के जरिए खुद को साबित करने और इन सबके बीच जमीन से जुड़े रहने से आता है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि हर किसी की यात्रा चुनौतियों के साथ आती है और उसकी तुलना करने के बजाय हमें अपने विकास पर ध्यान देना चाहिए। अभिनेत्री सई मांजरेकर बचपन से ही डांस के प्रति गहरी रुचि रखती थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने अपने पिता की फिल्म 'अस्तित्व' (2018) में एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। इसके बाद साल 2019 में दबंग-3 में 'खुशी चौटाला' की भूमिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनेत्री जल्द ही पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी। यह फिल्म 1905 के लंदन में स्वतंत्रता-पूर्व काल की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जो प्रेम और क्रांति की भावना को दर्शाती है, जिसकी शूटिंग हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में हुई है। सई मांजरेकर इसमें 'सती' नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। उनका लुक काफी पारंपरिक है।

...क्या पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते तुषार कपूर

दिग्गज सितारों के बेटे जब अभिनय जगत में आते तो दर्शकों के मन में दोनों को पर्दे पर एक साथ देखने की ख्वाहिश भी आ जाती है। इंडस्ट्री में पिता-पुत्र की जोड़ी के कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जब दोनों ने फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, इसे लेकर अभिनेता तुषार कपूर थोड़ा अलग विचार रखते हैं। हाल ही में उन्होंने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी। तुषार कपूर का मानना है कि बेहतर होगा कि वे और उनके पिता अपना रिश्ता ऑफ कैमरा ही बनाए रखें। बातचीत के दौरान तुषार कपूर ने इस बारे में बात की। इस दौरान अभिनेता ने अपने पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा, 'अगर मुझे अपने पिता के साथ काम करना पड़ा, तो मैं बहुत ज्यादा सचेत रहूंगा। मुझे लगता है कि बेहतर यही है कि हम अपने रिश्ते को कैमरे से दूर ही रखें'। तुषार कपूर ने और किरदार एक्सप्लोर करने की बात भी कही। उन्होंने कहा, 'मेरे आक्रामक, रफ एंड टफ साइड को और ज्यादा एक्सप्लोर किए जाने की जरूरत है। लोगों ने ज्यादातर मेरा फनी और सॉफ्ट साइड ही देखा है'।

क्या वेदांग की जिंदगी में प्यार की हुई दस्तक?

वेदांग रैना काफी समय से सिंगल हैं। खुशी कपूर से उनका ब्रेकअप हो चुका है। दोनों ने कभी ना अपने रिश्ते को स्वीकार किया था, ना ही कभी ब्रेक की घोषणा की। लेकिन उनके करीबी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि दोनों का ब्रेक हो चुका है। अब वेदांग रैना को न्योमिका सरन के साथ देखा गया है। वायरल वीडियो में दोनों के बीच अच्छी केमिस्ट्री नजर आ रही थी। न्योमिका की बात करें तो वह अक्षय कुमार की रिश्तेदार हैं। न्योमिका अक्षय कुमार की साली रिंकी खन्ना की बेटी हैं। पिछले दिनों वह सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहीं, उनके लुक और स्टाइल को काफी पसंद किया गया।

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में वेदांग आएंगे नजर

इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का संगीत एआर रहमान ने दिया है, गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। फिल्म के हालिया रिलीज ट्रेलर की भी खूब चर्चा है, इसमें वेदांग की एक्टिंग को पसंद किया जा रहा है।

सोशल मीडिया के पागलपन पर रोक लगाना जरूरी

आहिस्ता-आहिस्ता ही सही पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जगह बना ही ली। एक समय में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज उन्हें अक्षय कुमार, राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना जैसे इंडस्ट्री के टॉप हीरोज की हीरोइन बनने का मौका मिल रहा है।

एक समय इंडस्ट्री से निराश होकर बोरिया -बिस्तर समेटने का मन बना चुकी वामिका अपने मुकाम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी हालिया फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' से।

सोशल मीडिया के दौर में वामिका गब्बी को कभी तारीफ मिलती है, तो कई बार वे ट्रोल भी जाती हैं। हाल ही में वे उस वक्त ट्रोल हो गईं थीं, जब वे साथी कलाकार राजपाल यादव को तवज्जो नहीं दे पाई थी। सोशल मीडिया की ट्रोलिंग को लेकर वामिका दो टूक कहती हैं, 'मैं समझती हूं कि सोशल मीडिया पर निश्चित रूप से रेगुलेशन होनी चाहिए, क्योंकि यहां पर कोई भी मुंह उठाकर आता है और कुछ भी बोलकर चला जाता है। सोशल मीडिया पर कुछ भी बोलने की कोई अकाउंटेबिलिटी नहीं होती। एक तो सिर्फ एक्टर्स के वेरिफाइड अकाउंट होते हैं। मुझे लगता है हर किसी का वेरिफाइड अकाउंट होना चाहिए। सोशल मीडिया के इस पागलपन पर रोक लगनी जरूरी है। वरना लोग तो पहले से ही पागल हो रहे हैं।'

वामिका से जब पूछा जाता है कि उन्हें किस तरह के हज्बैंड की ख्वाहिश है? तो वे तपाक से हंसते हुए कहती हैं, 'ये आप कैसा सवाल पूछ रही हैं? इसका जवाब तो बहुत मुश्किल है। (सोचते हुए) मेरा होने वाला पति जानवरों से प्यार करने वाला हो। वो फ्रीडम में विश्वास रखे। उसमें बदलाव को स्वीकार करने का गुण हो। कई लोग खुद को बदलने में यकीन नहीं करते, तब बहुत मुश्किल आती है। देखिए, कंपैटिबिलिटी जरूरी है, मगर मेरे होने वाले जीवनसाथी में ये बातें बहुत जरूरी हैं। और भी पॉइटंस हैं, जिन्हें मैं जल्द ही फिगर आउट करूंगी।

कैट फाइट्स ही क्यों, डॉग फाइट्स भी तो होती हैं इंडस्ट्री में कैट फाइट्स जैसा टर्म बहुत मशहूर रहा है। इस पर उस वक्त और ज्यादा चर्चा होती है, जब एक फिल्म में कई एक्ट्रेसेस हों। वामिका की हालिया फिल्म में उनके साथ सारा अली खान के साथ - साथ रकुल प्रीत भी हैं। मगर वामिका कैट फाइट्स टर्म का बचाव करते हुए कहते हैं, 'कैट फाइट्स ही क्यों डॉग फाइट्स भी तो होती हैं। हर जगह हर तरह की फाइट्स होती हैं, ये तो निर्भर करता है कि आप किन लोगों के साथ काम कर रहे हैं। हमारी फिल्म की शूटिंग के दौरान हम सभी ने बहुत ही मजेदार वक्त बिताया। क्लाइमैक्स की शूटिंग के दौरान तो पूरी कास्ट साथ थी और शूटिंग की लोकेशन होटल से एक घंटे की दूरी पर थी, तो हम सभी एक साथ शूट पर जाया करते थे। पंजाबी म्यूजिक के साथ - साथ हम लोग खाना भी साथ खाते। हमने तो एक साथ जिमिंग और स्विमिंग भी की।'

मैं कॉमिडी जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं

अब तक कई गंभीर भूमिकाएं कर चुकी वामिका कॉमिडी के बारे में कहती हैं, 'कॉमिडी करना आसान नहीं था, मगर इसे करते हुए मुझे बहुत मजा आया। मुझे लगा कि मुझे यही करना था। मैं तो इस जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान भी मैं मुदस्सर सर (निर्देशक मुदस्सर अज़ीज़) के पास कई कॉमिक आइडियाज लेकर जाया करती थी। मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है, उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है। कॉमिक रोल को करते हुए लगा कि मैं इसमें बहुत कुछ कर सकती हूं। मैंने कॉमिडी को हद से ज्यादा इंजॉय किया। मैं मानती हूं कि एक्टिंग के क्राफ्ट में कॉमिडी सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती है, मगर एक बार आप जब इस दुनिया में प्रवेश करते हैं और उस हंसी के माहौल और किरदार की नस पकड़ लेते हैं, तो फिर आप उसके साथ आपको बहुत कुछ खेलने को मिलता है।

महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को मजबूत करने के लिए पीआईबी अहमदाबाद में आईएमपीसीसी की बैठक आयोजित

(पीआईबी) अहमदाबाद। महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को मजबूत करने के लिए पीआईबी अहमदाबाद में आईएमपीसीसी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में केंद्र और राज्य सरकारों के अधीन विभिन्न विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों ने भाग लिया। विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के प्रचार-प्रसार और उनके बारे में भ्रामक सूचनाओं को दूर करने के लिए मीडिया के समन्वित प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया गया। पीआईबी अहमदाबाद में आयोजित आईएमपीसीसी की बैठक में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के प्रसार के लिए एकीकृत मीडिया प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें भ्रामक सूचनाओं का समाधान करना और सरकार की प्रमुख योजनाओं के लिए प्रचार रणनीतियों को मजबूत करना शामिल था। केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के व्यापक प्रचार को और मजबूत करने तथा फर्जी खबरों और भ्रामक सूचनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी), अहमदाबाद द्वारा अंतर मीडिया प्रचार समन्वय समिति (आईएमपीसीसी) की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और अन्य मंत्रालयों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता पीआईबी के महानिदेशक और आईएमपीसीसी के अध्यक्ष प्रशांत पथराबे ने की और इसमें केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और राज्य सरकार के सूचना विभाग के अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान, केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के लिए संचार और जन जागरूकता रणनीतियों को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रचार और जन जागरूकता अभियान के दौरान आने वाली कठिनाइयों के बारे में भी जानकारी दी और उनके समाधान पर चर्चा की। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और विभिन्न विभागों की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया सहित विभिन्न मीडिया माध्यमों के एकीकृत उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही, भ्रामक सूचनाओं का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए सटीक और समय पर जानकारी के प्रसार को सुनिश्चित करने हेतु एक एकीकृत मीडिया दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

दानह जिला प्रशासन के निर्वाचन विभाग ने बाविसा फलिया में एसआईआर प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 29 मई। दादरा नगर हवेली प्रशासन, निर्वाचन विभाग, एसआईआर टीम द्वारा 28/05/2026 को सिलवासा नगरपालिका की वाइस प्रेसिडेंट कविता सिंह के मार्गदर्शन में मतदाता सूची अपडेट करने से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सिलवासा, बाविसा फलिया (माहयावंशी फलिया, राज होटल के पास) निलेश सरपंच के घर के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुचारू, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से मतदाता सूची तैयार करनी है। इसलिए निर्वाचन विभाग एसआईआर टीम द्वारा सिलवासा वार्ड 04 के सभी रहवासियों को एसआईआर से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचन विभाग एसआईआर अधिकारी मिलन सोलंकी एवं नोडल ऑफिसर डॉ. अनिता कुमार द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम संशोधन, स्थानांतरण एवं निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके पश्चात सिलवासा नगरपालिका की वाइस प्रेसिडेंट कविता सिंह ने अपने अभिभाषण में कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को एसआईआर कार्यक्रम के तहत बताये गए मार्गदर्शन हेतु प्रेरित किया तथा एसआईआर के तहत दी गई जानकारी की सूचना सभी मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए एसआईआर टीम का धन्यवाद करते हुए बाविसा फलिया (माह्यावंशी फलिया राज होटल के पास) निलेश सरपंच के घर के प्रांगण में उपस्थित सभी लोगों को मतदाता सूची के इस कार्य को पूर्ण करने हेतु अपना सहयोग देने की अपील की।दादरा नगर हवेली के सभी मतदाताओं से अनुरोध है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनका नाम उनके गांव/राज्य/जिले की वर्ष 2002 अथवा 2003 की पिछली एसआईआर मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं। यदि नाम की जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो मतदाता अपने क्षेत्र के बूथ स्तरीय अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं, चुनाव विभाग कार्यालय में जाकर जांच कर सकते हैं अथवा वेबसाइट पर जाकर आवश्यक विवरण भरकर नाम खोज सकते हैं। यदि पिछले SIR-2002 या 2003 की मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं मिलता है, तो मतदाताओं को अपने माता-पिता के नाम की पुष्टि करनी होगी। यदि माता-पिता के नाम की भी पुष्टि नहीं हो पाती है, तो संबंधित मतदाता को आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने होंगे।ये दस्तावेज अपने क्षेत्र के इछड अथवा चुनाव विभाग, सिलवासा में जमा करना आवश्यक होगा। आवश्यक दस्तावेजों में केंद्र/राज्य सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के नियमित कर्मचारी/पेंशनभोगी हेतु जारी पहचान पत्र अथवा पेंशन भुगतान आदेश, 01 जुलाई 1987 से पूर्व जारी पहचान पत्र/प्रमाणपत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मैट्रिकुलेशन अथवा शैक्षिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी/एससी/एसटी अथवा अन्य जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, परिवार रजिस्टर तथा सरकार द्वारा जारी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं। सभी मतदाताओं से विशेष अनुरोध है कि जब बूथ स्तरीय अधिकारी उनके घर आएं, तो वे पूर्ण सहयोग प्रदान करें, ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके। यह पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अतः दादरा नगर हवेली के सभी नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा की जाती है।

जिला निर्वाचन अधिकारी दमण के दिशानिर्देश में एसआईआर स्वीप टीम ने टंडेल/माछी समाज के साथ किया जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 मई। दमण प्रशासन, निर्वाचन विभाग, एसआईआर टीम द्वारा श्री माछी महाजन अध्यक्ष हर्जीभाई टंडेल, सचिव रविभाई टंडेल और सदस्य, श्री माछी महाजन महिला मंडल अध्यक्ष रमिला टंगाल, उपाध्यक्ष नीरुबेन टंडेल और सदस्य, श्री माछी महाजन एजुकेशन सोसायटी अध्यक्ष कांति पामसी और सदस्य एवं दमण नगरपालिका अध्यक्ष दीपिका टंडेल, काउंसिलर सिंपल कटेला एवं भाविका टंडेल के सहयोग से जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान स्वीप टीम द्वारा समाज के सदस्यों को एसआईआर प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई तथा बताया गया कि 4 जून से 3 जुलाई तक इछड द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन एवं संबंधित कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को सुचारू, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से तैयार करना तथा नागरिकों को विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना था। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान निर्वाचन विभाग की एसआईआर स्वीप टीम द्वारा नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम संशोधन, स्थानांतरण तथा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सभी मतदाताओं से खास अनुराध किया गया कि जब बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) 04.06.2026 से 03.07.2026 तक उनके घर आएं, तो वे अपना पूरा सहयोग दें ताकि रिवीजन प्रक्रिया आसानी से हो सके एवं यह जानकारी ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं तक पहुंचाने की अपील की गई। टीम द्वारा अनुरोध किया गया है कि टीम द्वारा सुनिश्चित करें कि उनका नाम वर्ष 2002 की पूर्व एसआईआर मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं। यदि जानकारी उपलब्ध न हो, तो संबंधित मतदाता अपने क्षेत्र के बूथ स्तरीय अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं, निर्वाचन विभाग कार्यालय में जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं अथवा संबंधित वेबसाइट पर आवश्यक विवरण भरकर अपना नाम खोज सकते हैं। या https://voters.eci.gov.in वेबसाइट पर ''search your name in last SIR'' का इस्तेमाल करके ज़रूरी डिटेल्स डालकर या चीफ इलेक्शन ऑफिसर, DNH और ऊऊ की ऑफिशियल वेबसाइट https://www.ceoddd.in पर ''search by detailsll [1]ff kksearch by EPIC Number'' या ''search by Polling Station'' पोर्टल में मौजूद ऑप्शन का इस्तेमाल करके अपना नाम सर्च कर सकते हैं। यदि पिछले SIR-2002 की मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं मिलता है, तो मतदाताओं को अपने माता-पिता के नाम की पुष्टि करनी होगी। यदि माता-पिता के नाम की भी पुष्टि नहीं हो पाती है, तो संबंधित मतदाता को आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने होंगे और उन्हें अपने क्षेत्र के BLO अथवा निर्वाचन विभाग, दमण में जमा करने होंगे। (समाचार का शेष पेज 2 पर)

मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में दमण सचिवालय में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में जानकारी देने के लिए राजनीतिक दलों के साथ हुई बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 मई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण एवं दीव के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में दमण सचिवालय में 29.05.2025 को दोपहर 12.00 बजे मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के बारे में जानकारी दी गई। बैठक के शुरुआत में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और उन्हें 'विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदाता सूचियों की शुद्धता, सटीकता और समावेशिता सुनिश्चित करने के उद्देश से चलाया जा रहा है और इसकी अर्हता तिथि 01.07.2026 निर्धारित की गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि 'विशेष गहन पुनरीक्षण' का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है और SIR-2026 के तहत सभी गतिविधियाँ निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही पूरी की जाएँगी।प्रतिनिधियों को पुनरीक्षण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के बारे में अवगत कराते हुए उन्हें मतदाता सूची के मसौदे का प्रकाशन, दावे और आपत्तियाँ दर्ज करना, सत्यापन प्रक्रिया, प्राप्त आवेदनों का निपटारा और अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन आदि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे सभी मतदान केंद्रों के लिए बूथ स्तरीय एजेंट (BLAs) की नियुक्ति जल्द से जल्द करें और इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित 'निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी' को दें, ताकि पुनरीक्षण अवधि के दौरान बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों की शुद्धता सुनिश्चित करने में इछअ२ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है; वे मतदाताओं के सत्यापन में सहायता करते हैं, पात्र मतदाताओं की पहचान करने में मदद करते हैं, और जहाँ भी आवश्यक हो, दावे और आपत्तियाँ दर्ज कराने में सहयोग करते हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि पारदर्शी, त्रुटि-मुक्त और

समावेशी मतदाता सूचियों को बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग अत्यंत आवश्यक है। राजनीतिक दलों के सभी प्रतिनिधियों ने SIR-2026 की पूरी प्रक्रिया में निर्वाचन तंत्र को अपना पूर्ण सहयोग और समर्थन देने का आश्वासन दिया तथा वे निर्धारित समय पर BLAs की नियुक्ति करने पर भी सहमत हुए। बैठक में संघ प्रदेश दानह तथा दमण एवं दीव के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अरूण टी. सहित आशीष मोहन, अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी, अमोल मेश्राम, सेवा दल अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, दादरा नगर हवेली, महेश धोड़ी, उपाध्यक्ष (राज्य समिति), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, दादरा नगर हवेली, गणेश भंडारी, दमण जिला महासचिव, भारतीय जनता पार्टी दमण, किरीट दमणिया, उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, दमण, प्रेम भंडारी, उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, दमण तथा निर्वाचन विभाग के पदधारी उपस्थित थे।

दमण जिले के प्रत्येक मतदान केंद्र पर विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत हर रविवार को विशेष शिविर का होगा आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 29 मई। दमण और दीव संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के मद्देनजर दमण जिले के प्रत्येक मतदान केंद्र पर हर रविवार को यानि 07/06/2026, 14/06/2026, 21/06/2026 और 28/06/2026 को बूथ दिवस के रूप में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। दमण जिले की आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि अपने गणना प्रपत्र (Enumeration Forms - EF) जमा करने के लिए इन बूथ दिवस (BOOTH DAY) शिविरों का अधिकतम लाभ उठाएं और साथ ही अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) से प्रपत्र जमा करने के संबंध में मार्गदर्शन भी प्राप्त करें।

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)